RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 317 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 15-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस और सपा का अब न कोई ठौर है, न ठिकाना : केशव प्रसाद मौर्य

6 पाक अधिकृत कश्मीर में चुनाव को लेकर बवाल

7 हर चुनौती ने मुझे मजबूत बनाया : सुम्बुल तौकीर

फर्स्ट टेक

इजराइली सेना ने बेरूत के उपनगरों पर हमले किए

इस्लामाबाद/एपी। इजराइल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमले किए हैं, जिनका निशाना हिज्बुल्ला से जुड़ी संरचनाएं थीं। बेरूत में धुएं के गुबार को देखा जा सकता था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि ये हमले उत्तरी इजराइल में हिज्बुल्ला के हमलों के जवाब में किए गए। इजराइल ने जब एक सप्ताह पहले आखिरी बार बेरूत के उपनगरों पर हमला किया था, तो ईरान ने इसके जवाब में इजराइल पर हमले किए थे। हिज्बुल्ला का मुख्य समर्थक माने जाने वाले ईरान ने कहा है कि अमेरिका-ईरान युद्धविराम समझौते में लेबनान में किसी भी तरह के इजराइली हमलों को भी रोका जाना शामिल होना चाहिए। हिज्बुल्ला ने दो मार्च को इजराइल पर मिसाइलें दागी थीं। इन हमलों को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के दो दिन बाद अंजाम दिया गया था।

हमला करने से बचें इजराइल और ईरान : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को लेबनान पर इजराइली हमलों को ज्यादा महत्व नहीं दिया, हालांकि कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिये समझौते के करीब पहुंचने के मद्देनजर इजराइल और ईरान को ऐसे हमलों से बचना चाहिए। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेबनान में कहीं भी इजराइल की ओर से और हमले नहीं होने चाहिए, साथ ही हिज्बुल्ला समेत किसी भी अन्य पक्ष की ओर से भी इजराइल पर और हमले नहीं होने चाहिए।'' ट्रंप ने पहले कहा था कि युद्ध खत्म करने के लिए रविवार को समझौता हो सकता है, लेकिन तब से उन्होंने इस बारे में कोई अद्यतन जानकारी नहीं दी है

जाली हस्ताक्षर मामला: सीआईडी अधिकारियों ने अभिषेक बनर्जी और कुणाल घोष से पूछताछ की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति के लिए विधायकों के हस्ताक्षरों की कथित जालसाजी के मामले में अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और विधायक कुणाल घोष से घंटों पूछताछ की। अभिषेक बनर्जी आज दूसरे दौर की पूछताछ के लिए यहां सीआईडी मुख्यालय पहुंचे थे। सीआईडी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद बेलघाटा के विधायक घोष ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान उन्हें और बनर्जी को आमने-सामने बैठाया गया था।

'रुपए में उतार-चढ़ाव के पीछे वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में होने वाले उतार-चढ़ाव कई वैश्विक और घरेलू कारकों से प्रेरित होते हैं। इनमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, विदेशी पूंजी की आवाजाही और कच्चे तेल, उर्वरक तथा सोने पर भारत की आयात निर्भरता शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपए की विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए ही हस्तक्षेप करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के निकट देवनहल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि विनिमय दरें विभिन्न वैश्विक घटनाक्रमों और बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं। सीतारमण ने कहा, जब भी रुपए में अत्यधिक उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आती है, तब भारतीय रिजर्व बैंक बाजार में हस्तक्षेप करता है। उसका उद्देश्य विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना नहीं, बल्कि अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना होता है। आरबीआई बाजार में आकर स्थिति को स्थिर करता है और फिर बाहर हो जाता है। इसके लिए वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है। इसलिए वह ऐसा सीमित और आवश्यकता पड़ने पर ही करता है।

भारत की प्राथमिकता मानवता के लिए प्रौद्योगिकी और मानव-केंद्रित नवाचार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीस (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत अब वैश्विक समाधानों का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनमें अहम योगदान देने वाला देश बन गया है। मोदी ने यहां 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार और प्रौद्योगिकी के जरिये दुनिया के लिए एक दीर्घकालिक भविष्य के संबंध में नई दिल्ली का नजरिया पेश किया। इस कार्यक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद थे।

मोदी ने कहा, ''भारत ने यह साबित कर दिया है कि नवाचार और समावेश एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। इसका मतलब है कि किसी भी नवाचार की महानता केवल उसके मूल्यांकन में नहीं, बल्कि लोगों पर उसके असर में निहित है।'' उन्होंने कहा, ''एक दशक पहले तक दुनिया भारत को प्रौद्योगिकी अपनाने वाले देश के तौर पर देखती थी, लेकिन अब यह देश प्रौद्योगिकी प्रदाता के तौर पर उभर रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसके अलावा, भारत जो नवाचार करता है और जो समाधान देता है, उनसे मानवता के एक बड़े हिस्से को फायदा होता है। 'भारत इनोवेट्स' का मकसद भी यही है।''

प्रधानमंत्री ने ऐसी प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी जोर दिया, जो समावेशी और मानव-केंद्रित हों। उन्होंने कहा, ''आज दुनिया ऐसी प्रौद्योगिकियों की ओर देख रही है जो भरोसेमंद, समावेशी और मानव-केंद्रित हों तथा जिनका लक्ष्य वैश्विक कल्याण हो। ऐसे समय में, भारत की प्राथमिकता मानवता के लिए प्रौद्योगिकी और मानव-केंद्रित नवाचार है।''

अपने संबोधन में मोदी ने उच्च-तकनीक, परमाणु ऊर्जा, रक्षा और नवाचार जैसे कई अहम क्षेत्रों में अपनी सरकार द्वारा किए गए सुधारों का जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा, ''भारत की 'सुधार एक्सप्रेस' रुकेगी नहीं, बल्कि चलती रहेगी, और भारत से उभरते स्टार्टअप की संख्या भी कई गुना बढ़ती रहेगी।''

प्रधानमंत्री ने संघर्षों और अलग-अलग तरह की रुकावटों के असर का जिक्र करते हुए, मानवता के लिए अहम प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी बात की।

भारत नवाचार का देश है : फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

नीस (फ्रांस)/भाषा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को कहा कि भारत नवाचार का देश है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और जलवायु परिवर्तन जैसे अहम क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सच्ची साझेदारी है। मैक्रों यहां आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसका उद्घाटन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ किया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, ''हम 'मेक-इन-इंडिया' पहल का सम्मान करते हैं। फ्रांस विभिन्न क्षेत्रों में इसका हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत नवाचार का देश है। एआई और जलवायु परिवर्तन जैसे अहम क्षेत्रों में भारत-फ्रांस के बीच सच्ची साझेदारी है।'' मैक्रों ने कहा, ''असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश है, जिसमें 'स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स' का क्षेत्र भी शामिल है।''

आरएसएस का उद्देश्य राष्ट्र के पुनरुत्थान के लिए समाज को संगठित करना है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

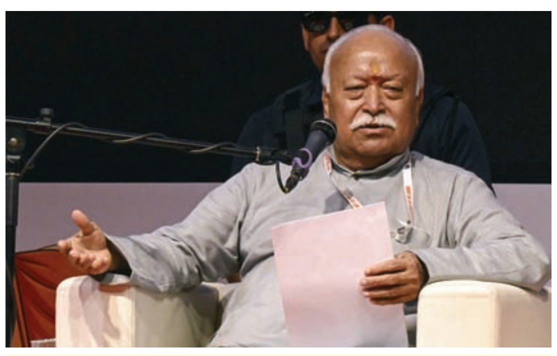

त्रिशूर (केरल)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ का मुख्य मकसद राष्ट्र के पुनरुत्थान के लिए समाज को संगठित करना है।

यहां आरएसएस के शताब्दी संपर्क कार्यक्रम के तहत एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि संघ की स्थापना राजनीतिक सत्ता या लोकप्रियता के लिए नहीं की गई थी। उन्होंने कहा, ''संघ की शुरुआत किसी समुदाय के विरोध में नहीं की गई थी। इसे सत्ता या लोकप्रियता हासिल करने के लिए नहीं बनाया गया था। इसकी शुरुआत एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य को पूरा करने और देश के कल्याण एवं पुनरुत्थान के लिए जरूरी हर चीज में योगदान देने के लिए की गई थी।''

> ■ संघ मूल रूप से एक ही काम करता है। वह ऐसे लोगों को तैयार करना चाहता है, जो ईमानदार, नि:स्वार्थ, अनुशासित और समाज के प्रति समर्पित हों।

आरएसएस की शुरुआत के बारे में भागवत ने कहा कि इसके संस्थापक के बी हेडगेवार का मानना था कि भारत बार-बार विदेशी ताकतों के अधीन इसलिए हुआ, क्योंकि समाज के अंदर कमजोरियां और विभाजन की प्रवृत्ति मौजूद थी और वह मानते थे कि स्थायी समाधान के लिए एक एकजुट, संगठित और अनुशासित समाज की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''समाज को संगठित करना था। उसे मजबूत बनाना था। तमाम विविधताओं के बावजूद लोगों को एक-दूसरे से जोड़ना था।''

भागवत ने कहा कि आरएसएस की स्थापना इस सोच के साथ की गई थी कि भारत की सभ्यता और संस्कृति से जुड़ी पहचान ही राष्ट्रीय एकता का आधार है। उन्होंने कहा, ''हम सभी साझा सभ्यता और मूल्यों से जुड़े हैं। संघ का मानना है कि यही सांस्कृतिक एकता राष्ट्रीय जीवन का आधार है।'' हिंदुत्व को लेकर संगठन की अवधारणा के बारे में भागवत ने कहा कि आरएसएस किसी धार्मिक समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब हिंदू बनाम मुस्लिम या ईसाई नहीं है। यह सोच इस विचार पर आधारित है कि दुनिया एक परिवार है और तमाम विविधताओं के बावजूद सभी सौहार्द से मिल-जुलकर रह सकते हैं।''

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संगठन का मुख्य काम चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित लोगों को तैयार करना है। उन्होंने कहा, ''संघ मूल रूप से एक ही काम करता है। वह ऐसे लोगों को तैयार करना चाहता है, जो ईमानदार, नि:स्वार्थ, अनुशासित और समाज के प्रति समर्पित हों।''

हम शांति चाहते हैं, लेकिन अशांति फैलाने वालों को शांत करना जानते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जोर देकर कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन यह अपनी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों से अच्छी तरह से निपटने में पूर्ण रूप से सक्षम है। यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, हम शांति चाहने वाले लोग हैं, लेकिन जो लोग अशांति फैलाते हैं, उन्हें स्थायी रूप से शांत करना हमें आता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकार की यह कहते हुए आलोचना की कि 2014 से पहले आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के राजनेता आतंकवाद के प्रति नरम रवैया अपनाते थे। उन्होंने कहा, आज हमारे सशस्त्र बलों को पूरी स्वतंत्रता है। यदि कोई आतंकवादी हमला होता है तो आतंकवादियों को खत्म कर दिया जाता है। यदि उन्हें खत्म करने के लिए सीमा पार करना आवश्यक है तो यह भी किया जाना चाहिए।

अर्थव्यवस्था को लेकर सिंह ने कहा कि भारत फिलहाल विश्व की सबसे तेजी से प्रगति कर रही अर्थव्यवस्था वाला देश है और यह एक प्रमुख विनिर्माण स्थल के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, आईफोन का विनिर्माण भारत में किया जा रहा है और पूरे विश्व को इसकी आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2014 से पहले निराश और हताश रहा भारत अब उम्मीद, ऊर्जा, विश्वास और संकल्प से परिपूर्ण है।

सिंह ने कहा, इस बदलाव के पीछे का कारण लोगों का विश्वास और इस सरकार का सही इरादा एवं नीतियां हैं।

महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि महान शासक की बहादुरी और बलिदान किसी सरकार या इतिहासकार की मंजूरी की मोहताज नहीं है।

सिंह ने कहा, अकबर चला गया, मुगल चले गए और यहां तक कि उनके वंशज भी इतिहास के पन्नों में खो गए। लेकिन महाराणा प्रताप हर भारतीय के दिल में बसे हुए हैं।

15-06-2026 सूर्यास्त 6:36 बजे | 16-06-2026 सूर्योदय 5:42 बजे

BSE	NSE
75,527.95	23,622.90
(+1,695.41)	(+461.30)

सोना	चांदी
15,299 रु.	251,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीमा विवाद

क्या कभी खत्म हो पाएंगे,
दुनिया के सब सीमा विवाद।
सारे झगड़ों की जड़ है ये,
इनसे ही है सारे फसाद।
इनके कारण ही सेनाएं,
रक्षा आयुध जंगें जिहाद।
नर सबसे श्रेष्ठ जीव जग का,
तरकीब न कर पाया इजाद।।

राहुल गांधी ने अमेरिकी बयानों पर कहा

'आज्ञाकारी नौकर' की तरह आदेशों का पालन करते हैं हमारे प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद अमेरिका की ओर से दिए गए बयानों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि ''कंप्रोमाइज्ड पीएम'' (समझौता कर चुके प्रधानमंत्री) एक ''आज्ञाकारी नौकर'' की तरह सुनते हैं और ''आदेशों'' का पालन करते हैं।

गांधी ने कहा कि ''कोई कंप्रोमाइज्ड पीएम'' देश के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा क्योंकि जो देश का अपमान करते हैं, वह उन्हीं के वश में हैं।

अमेरिका ने हाल में कहा था कि उसने भारत को बता दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकेबंदी का कोई भी उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यह बात कही थी। जयशंकर ने ओमान तट के पास पोतों पर अमेरिकी हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए शुक्रवार को रुबियो से बात की थी।

गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के चंद दिन बाद- न अफसोस, न माफी। उल्टा, अमेरिका ने आदेश देना जारी रखा है।'' उन्होंने कहा, ''उनके शब्द पढ़िए: 'अमेरिकी सेना के आदेश तुरंत मानें।' कोई उल्लंघन 'बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''एक आजाद देश इस तरह की भाषा कभी नहीं सहेगा लेकिन हमारे 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' चुप हैं। वह एक आज्ञाकारी नौकर की तरह सुनते हैं और आदेश मान लेते हैं।'' गांधी ने कहा, ''कोई 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' देश के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा क्योंकि जो देश का अपमान करते हैं, वह उन्हीं के वश में हैं।'' गांधी ने एक अन्य पोस्ट साझा कर ओमान के डुक्म बंदरगाह पर खड़े एक पोत पर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण एक भारतीय नागरिक की मौत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, '' 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' के राज में एक भारतीय होने का मतलब दुर्गति है। विदेशी ताकत हमारे नागरिकों को मारती है। हमारी सरकार एक आज्ञाकारी नौकर की तरह चुप-चाप आदेश मान लेती है और हमारे नागरिक सड़ने के लिए छोड़ दिए जाते हैं।''

स्मृति के अर्धशतक और दीप्ति के पांच विकेट से भारत ने पाकिस्तान को रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के ग्रुप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी (21 रन पर तीन विकेट) और शैफाली वर्मा (22 रन पर एक विकेट) ने भी दीप्ति का अच्छा साथ निभाया।

सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (41) पाकिस्तान की ओर से शीर्ष स्कोरर रहीं। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाई।

स्मृति ने इससे पहले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 44 गेंद में नौ चौकों और दो छक्कों से 68 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर (36 रन, 35 गेंद, चार चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी भी की जिससे भारत ने छह विकेट पर 170 रन बनाए जो टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उसका सर्वोच्च स्कोर है। ऋचा घोष ने अंत में 17 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के से 34 रन की पारी खेली और दीप्ति शर्मा (नाबाद 12) के साथ छठे विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंद में 45 रन की तेजतर्रार साझेदारी भी की। पाकिस्तान की ओर से कप्तान फातिमा सना ने 33 जबकि बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल ने 41 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रमीन शमीन (30 रन पर एक विकेट) और तस्मिया रुबाब (41 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान ने पावर प्ले में एक विकेट पर 52 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। मुनीबा ने अरुंधति की पारी की पहली ही गेंद पर चौका जड़ा। वह हालांकि अगले ओवर में श्रेयंका पाटिल की गेंद पर भाग्यशाली रहीं जब विकेटकीपर ऋचा ने उनका कैच टपका दिया।

मुनीबा ने क्रांति गौड़ का स्वागत दो चौकों के साथ किया। वह अगले ओवर में फिर भाग्यशाली रहीं। इस बार श्रेयंका की गेंद पर अरुंधति ने उनका कैच टपकाया।

अनुभवी दीप्ति ने गुल फिरोजा (12) को भारती फुलमाली के हाथों कैच कराके भारत को पहली सफलता दिलाई।

धर्म से जीवन की दिशा और दशा बदल जाती है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के त्यागराजनगर जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने रविवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि धर्म में वह शक्ति विद्यमान है जो इंसान के जीवन की दिशा और दशा दोनों ही बदलने में सहायक है। धर्म जीवन जीने की सही कला सिखाता है। अपने धर्म स्थान में नियमित आए और अपने परिवार जनों को भी साथ में लेकर आना चाहिए। धर्म स्थान का पवित्र वातावरण व्यक्ति के जीवन में शुभ विचारों का संचार करता है। धर्म स्थान में की गई साधना, आराधना मानव के मन, वचन, काया को अशुभ से शुभ और संसार की पाप प्रवृत्ति से हटाकर शुभ पुण्य प्रवृति की ओर अग्रसर करती है। व्यक्ति जीवन में गुण दृष्टि रखें। हमेशा अपने जीवन में दूसरों की सहायता, सहयोग मदद की भावना रखें। किसी का भी अहित चिंतन नहीं करना चाहिए। शुभ कर्म का फल शुभ और अशुभ कर्म का फल अशुभ फल होता है। यही भगवान महावीर की वाणी का अमर संदेश है जो साधक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। त्यागराजनगर संघ के अध्यक्ष रमेश चंद सिसोदिया ने सभी का स्वागत किया।

संचालन करते हुए लालचंद छिंगाावत ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर त्यागराजनगर संघ द्वारा समाज की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

नेमीचन्द फिर बने अध्यक्ष, महावीरचन्द बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट की साधारण वार्षिक सभा रविवार को पुष्कर जैन आराधना केंद्र में सम्पन्न हुई। सभा की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने की। सालेचा ने सभी का स्वागत करते हुए ट्रस्ट की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेछा एवं फूलचंद लुकड़ ने विगत वर्षों का आय-व्यय एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। आगामी तीन वर्षों के लिए ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष पद पर नेमीचन्द सालेचा एवं महामंत्री पद पर महावीरचंद मेहता को निर्वाचित किया गया। पुखराज

मेहता ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन केवलचंद पालरेचा, कांतिलाल मुणोत एवं जितेन्द्र धोका ने किया। अध्यक्ष एवं महामंत्री को आगामी कार्यकारिणी टीम गठित करने का अधिकार प्रदान किया गया। सभी उपस्थित जनों ने नए अध्यक्ष-मंत्री को शुकामनाएं दी।

इस अवसर पर उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी के 22 जुलाई को होने वाले चातुर्मास प्रवेश व चातुर्मास काल के संदर्भ में विभिन्न समितियों का गठन किया गया एवं आवश्यक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पूना में 26 जुलाई को होने वाले गुरुदेव श्री नरेश मुनिजी चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम में सहभागी बनने का आह्वान किया गया।

सभा में मीठालाल भंसाली, माणक बडेरा, प्रवीण भंडारी, विनोद लुकड़, पारसमल श्रीश्रीमाल, दिनेश चोपड़ा,प्रवीण नेतानी, दिलीप चोपड़ा, अशोक भुरट, पारससालेचा, पारसमल गुलेछा, केवलचंद पालरेचा, हुक्मीचंद संचेती, राकेश लुंकड़, पवन भंसाली, प्रवीण बागरेचा, अशोक काठेंड, चंदूलाल लुकड़, कमलेश छाजेड़, गौतम सिंघवी, रमेश भंसाली, सुरेश चौपडा सहित अनेक ट्रस्टीगण एवं सदस्य उपस्थित थे।

सभा के बाद सभी ने आराधना भवन में विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी के दर्शन किए। दिनेश चोपड़ा ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा कार्य

बेंगलूरु में अमावस्या के उपलक्ष्य में रविवार को मल्लेश्वरम मंडल के सदस्यों ने जीवदया और मानवसेवा के कार्य किए। सदस्यों ने ऑटो राजा न्यू आर्क मिशन ऑफ इंडिया के आश्रम में लगभग 800 बेघर बच्चों एवं बुजुर्ग को नाश्ता कराया तथा मातेश्वरी कृष्ण गौशाला में गौसेवा का लाभ भी लिया।

गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति योजना बंद नहीं की जा रही : मुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कांग्रेस सरकार की 'गृह लक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' गारंटी योजनाओं को बंद किए जाने की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए लोगों से विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। शिवकुमार ने एक बयान में कहा, ''गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति कांग्रेस सरकार का गौरव हैं। इन्हें किसी भी परिस्थिति में बंद नहीं किया जाएगा। जनता को इस संबंध में विपक्षी दलों

द्वारा फैलाई जा रही झूठी खबरों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।''

उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोग मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी रिकॉर्ड तैयार कर इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, इसी कारण लाभार्थियों से दोबारा आवेदन करने को कहा गया है ताकि योजनाओं के लिए उनके नाम, पते और बैंक खाते के विवरण का सत्यापन और प्रमाणीकरण किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सभी गारंटी योजनाएं शत-प्रतिशत जारी रहेंगी और किसी भी लाभार्थी को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिला मुखिया को दो हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जबकि 'गृह ज्योति' योजना में घरेलू बिजली कनेक्शन पर 200 यूनिट तक की बिजली मुफ्त प्रदान की जाती है।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करेगी : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

अभी जीवन बीमा क्षेत्र में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है और यह 57 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। कंपनी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य लगभग 60,000 करोड़ रुपए है।

दुरईस्वामी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा भारत की प्रगति से गहराई से जुड़ी रही है और भविष्य में भी यह संबंध कायम रहेगा। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, एलआईसी भी बढ़ती है। एलआईसी की वृद्धि देश की आर्थिक प्रगति को भी गति देती है।''

उन्होंने कहा कि 1956 में स्थापना के बाद से एलआईसी ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अब 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दुरईस्वामी ने कहा, 1956 से 2026 तक की हमारी यात्रा देश के विकास के साथ जुड़ी रही है। हम भविष्य में भी देश की जरूरतों को पूरा करने और उसके विकास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि एलआईसी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में से एक है और इतने बड़े आकार के साथ समाज तथा देश के प्रति विशेष जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है।

भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि बाजार में नए खिलाड़ियों के प्रवेश के बावजूद एलआईसी का लक्ष्य केवल नेतृत्व वाली स्थिति बनाए रखना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धियों से पर्याप्त बढ़त बनाए रखना है। उन्होंने कहा, हमारी आकांक्षा है कि 75वें वर्ष, 100वें वर्ष और उसके बाद भी एलआईसी समृद्ध और मजबूत संस्था बनी रहे तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देती रहे।

एलआईसी की स्थापना एक सितंबर, 1956 को जीवन बीमा कारोबार के विस्तार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उस समय 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियों तथा भविष्य निधि संस्थाओं का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन किया गया था। केंद्र सरकार ने इसके लिए पांच करोड़ रुपए की शुरुआती पूंजी उपलब्ध कराई थी।

डिजिटल क्षेत्र में विस्तार की योजना पर दुरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी अपनी बढ़ती प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) इकाई स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। यह निवेश के माध्यम से या आंतरिक रूप से विकसित मॉडल के जरिये किया जा सकता है।

कच्चे तेल की आपूर्ति के आधार पर ईंधन कीमतों की समीक्षा होगी: केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति की उपलब्धता के आधार पर ईंधन कीमतों की समीक्षा की जाएगी।

गोपी ने ईंधन कीमतों में संभावित संशोधन के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति के आधार पर स्थिति का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''पहले कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति देख लेते हैं। हमारे साथ संबंधित मंत्री हरदीप सिंह पुरी हैं। स्थिति सामने आने दीजिए।''

उन्होंने पत्रकारों से प्रश्न किया कि क्या वे किसी निगरानी मंत्रालय की भूमिका निभा रहे हैं।पेट्रोल, डीजल और द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सहित ईंधन कीमतों में हाल के हफ्तों में वृद्धि हुई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में बाधाओं के बाद यह वृद्धि हुई है।

फीफा कप

अमेरिका के डलास में फीफा विश्व कप 2026 के तहत नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले ग्रुप एफ के मैच से पहले अभ्यास सत्र में भाग लेते जापान के कुबो ताकेफुसा (दाएं से तीसरे)।

मुरैना के पास ट्रेन में आग की अफवाह फैली, उतरते समय दूसरी ट्रेन से कटकर चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरैना (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में कथित तौर पर आग लगने की अफवाह फैल गई, जिसके बाद उससे उतरने के दौरान दूसरे ट्रैक से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज सिंह ने बताया कि खजुराहो इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह के बाद घबराहट में चेन पुलिंग के बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतर गए। उन्होंने बताया कि शाम करीब 4:30 बजे पातालकोट एक्सप्रेस दूसरी पटरी से गुजर रही थी। उन्होंने कहा कि ट्रेन से उतरे यात्रियों ने ध्यान नहीं दिया कि बगल वाली पटरी पर एक अन्य ट्रेन आ रही है। उन्होंने कहा कि पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई।

घटनास्थल पर मौजूद मुरैना के जिलाधिकारी लोकेश कुमार जांगिड़ ने 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि खजुराहो से रवाना हुई उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में जिले के हेतमपुर स्टेशन के पास यह दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि रेल इंजन से जुड़ी बोगी में अचानक चिंगारी और धुआं निकला, जिसके बाद कुछ यात्रियों ने जंजीर खींचकर ट्रेन को रोक दिया। उन्होंने बताया कलेक्टर ने बताया इस घटना से ट्रेन के अंदर आग लगने की अफवाह फैल गई। उन्होंने कहा कि जान बचाने के लिए बिना सोचे-समझे कुछ लोग ट्रेन से कूदने लगे और रेलवे ट्रैक पर आ गए। उन्होंने कहा कि इसी दौरान कुछ लोग दूसरी रेल लाइन पर खड़े हो गए और उन्हें यह नहीं पता चला कि बगल की पटरी पर दिल्ली की ओर से पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से आ रही है।

कलेक्टर ने बताया कि दुर्घटना में तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि दो महिलाएं व बच्चा आगरा के निवासी हैं जबकि एक अन्य महिला बीकानेर की है।

भारत में मेमोरी चिप निर्माण में बढ़ सकता है निवेश, उत्पादन बढ़ाएंगी मौजूदा कंपनियां : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत में मेमोरी चिप के विनिर्माण के लिए नई कंपनियों द्वारा निवेश किए जाने की संभावना है, जबकि मौजूदा निवेशक भी इस क्षेत्र में आपूर्ति-मांग के अंतर को कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाएंगे।

वैष्णव ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेमोरी कार्ड और उन्नत चिप की मजबूत मांग के कारण वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है और पिछले कुछ तिमाहियों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके चलते विनिर्माता वैश्विक स्तर पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। चिप की कीमतों में वृद्धि ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत भी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से मेमोरी विनिर्माण इकाइयों में काफी अधिक निवेश आ रहा है और इसका कारण यह है कि सेमीकंडक्टर उद्योग जिस तेजी से बढ़ा है, उसमें पहली बार कुछ ऐसे कलपुर्जों की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिनकी आवश्यकता कृत्रिम मेधा (एआई) डेटा सेंटर और हाई बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स में होती है।

हाई बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) चिप एक उन्नत कंप्यूटर मेमोरी है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से एआई, सुपरकंप्यूटर, डेटा सेंटर और हाई-एंड ग्राफिक्स प्रोसेसिंग में होता है। उन्होंने बताया कि भारत में डेटा सेंटर निवेश जल्द ही 200 अरब डॉलर को पार कर सकता है, जिसके लिए विशाल स्टोरेज क्षमता की आवश्यकता होगी। मंत्री के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन बना हुआ है, जिसे नई उत्पादन इकाइयों की स्थापना से संतुलित किया जा रहा है। उच्च बैंडविड्थ मेमोरी चिप का उत्पादन करने वाली कंपनियों की नई इकाइयों ने हाल में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, जिससे आपूर्ति स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेमोरी क्षेत्र में गंभीर आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ है।

यह पूछे जाने पर कि क्या इस क्षेत्र में नए निवेश आएंगे या मौजूदा कंपनियां उत्पादन बढ़ाएंगी, वैष्णव ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों ही स्थितियां संभव हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0' के तहत लगभग 48 स्टार्टअप प्रौद्योगिकी उत्पादों पर काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में डिजाइन सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, जबकि दूसरी सबसे बड़ी प्राथमिकता सेमीकंडक्टर विनिर्माण में उपयोग होने वाली मशीनें होंगी। हम गंभीरता से इस पर विचार कर रहे हैं कि उपकरण निर्माता भारत में आकर उपकरणों का डिजाइन और निर्माण दोनों करें। मंत्री ने कहा कि दशकों के प्रयासों के बाद भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चिप विनिर्माताओं को देश में आकर्षित करने में सफल रहा है और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 घरेलू सेमीकंडक्टर उद्योग की मजबूत नींव रख रहा है।

मोदी और मैक्रों ने एआई, व्यापार और बुनियादी ढांचे पर चर्चा की

नीस (फ्रांस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्टार्टअप, व्यापार, बुनियादी ढांचा और स्वास्थ्य समेत कई क्षेत्रों पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने अहम अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी शनिवार रात फ्रांस के नीस शहर पहुंचे और मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत-फ्रांस साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें उन्होंने भारत-फ्रांस विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति का जायजा लिया। जायसवाल ने लिखा, दोनों नेताओं ने नवाचार, व्यापार एवं निवेश, टिकाऊ समाधानों, सुरक्षा, संस्कृति और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, इस बैठक के दौरान नवाचार और एआई, विज्ञान और अंतरिक्ष, स्टार्टअप और फिनटेक, व्यापार और बुनियादी ढांचा, परिवहन और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कई परिणाम उभरकर सामने आए।

असम में 50 लाख किसानों में 50 प्रतिशत से भी कम पंजीकृत, अभियान चलाएगी सरकार

गुवाहाटी/भाषा। असम के लगभग 50 लाख कृषक परिवारों में से आधे से भी कम सरकार के पास पंजीकृत हैं। राज्य के एक मंत्री ने रविवार को बताया कि सरकार ने अगले छह महीनों में ऐसे पांच से सात लाख और परिवारों को पंजीकृत करने के लिए एक अभियान शुरू करने का फैसला किया है।

कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने असम के जिला कृषि अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और किसान समुदाय के लिए बनी अलग-अलग योजनाओं की समीक्षा की।

एक सरकारी बयान में कहा गया, ''मंत्री ने किसानों के पंजीकरण को सर्वाधिक प्राथमिकता देने का सख्त निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि जहां असम में लगभग 50 लाख परिवार खेती पर निर्भर हैं, वहीं अभी सिर्फ 24 लाख परिवार ही पंजीकृत हैं।''

बयान के अनुसार, इस अंतर को कम करने के लिए विभाग अगले छह महीनों में पांच से सात लाख और किसानों को पंजीकृत करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करेगा।

हजारिका ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राज्य के सबसे गरीब परिवारों के लिए गुजारे लायक खेती को कमाई वाले क्षेत्र में बदलने पर ध्यान दें। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक लोगों के कल्याण के लिए 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत पंजीकरण तेजी से बढ़ाने और पहचान पत्र बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाकर 'प्रधानमंत्री-किसान' पंजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने का निर्देश दिया।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बीज और खाद का वितरण पूरी तरह से खुला और पारदर्शी होना चाहिए और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज बुवाई के मौसम से कम से कम एक महीने पहले किसानों तक पहुंच जाने चाहिए।

पूर्व टीडीबी प्रमुख के दावों के बाद शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा फिर से उठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दे ने रविवार को एक बार फिर तूल पकड़ लिया, जब 2019 में पहाड़ी मंदिर में रजस्वला उम्र की महिलाओं के कदम रखने से जुड़ी घटना के संबंध में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के कथित दावों वाली खबरें सामने आईं। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पद्मकुमार के दावों पर प्रतिक्रिया देने से हिचकिचाती दिखी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता पिनराई विजयन और माकपा के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन ने पद्मकुमार के आरोपों को खारिज कर दिया। खबरों में दावा किया गया है कि त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के तत्कालीन अध्यक्ष पद्मकुमार ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा था कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद जिस दिन दो महिलाओं ने शबरिमला मंदिर में प्रवेश किया था, उस दिन उन्हें और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एस. श्रीजीत को जानबूझकर सन्निधानम से दूर रखा गया था। खबरों में कहा गया है कि पद्मकुमार ने आरोप लगाया था कि यह कदम एक बेहद प्रभावशाली व्यक्ति के इशारे पर उठाया गया था, जिसकी माकपा और तत्कालीन वामपंथी सरकार, दोनों पर काफी अच्छी पकड़ थी। खबरों के मुताबिक, पद्मकुमार ने दावा किया था कि उनसे उस दिन शबरिमला की यात्रा न करने और इसके बजाय तिरुवनंतपुरम जाने के लिए कहा गया था।

माकपा के पूर्व विधायक पद्मकुमार ने शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी से जुड़े मामले में आरोपी के रूप में नामजद किए जाने के बाद पार्टी से दूरी बना ली है। उन्होंने मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद से मीडिया से अभी तक कोई बातचीत नहीं की है। ये खबरें ऐसे समय में आई हैं, जब माकपा नेतृत्व ने संकेत दिया है कि शबरिमला में सोने की चोरी से जुड़े मामले में पद्मकुमार के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। विजयन ने तिरुवनंतपुरम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पद्मकुमार के कथित दावों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया था। असल बात तो यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय को पद्मकुमार को शबरिमला से दूर रखने की कोई जरूरत नहीं थी।

जब पद्मकुमार के इन कथित घटनाओं के बारे में आत्मकथा लिखने की खबरों के बारे में पूछा गया, तो विजयन ने कहा कि लोगों का आत्मकथा लिखना कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा, आजकल आत्मकथा लिखना कोई नयी बात नहीं है। कई लोग आत्मकथाएं लिखते हैं, लेकिन इससे पार्टी के रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। पद्मकुमार के कथित दावों से जुड़ी खबरों पर माकपा की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर गोविंदन ने कहा कि टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष को खुद इस मामले पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा, इन सभी आरोपों का जवाब देना हमारी जिम्मेदारी नहीं है। ये सवाल पद्मकुमार से पूछे जाने चाहिए। शबरिमला में सोना चोरी के मामले में जेल से छूटने के बाद उन्हें पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था।

गोविंदन ने कहा कि पद्मकुमार के खिलाफ किसी भी संगठनात्मक कार्रवाई का फैसला माकपा की पत्तनमथिट्टा जिला समिति करेगी। उन्होंने कहा, संगठनात्मक कार्रवाई करने के लिए जिला समिति ही सक्षम प्राधिकारी है। वह निश्चित रूप से उचित फैसले लेगी। केरल में शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा सबसे विवादास्पद राजनीतिक और सामाजिक विवादों में से एक बना हुआ है। सितंबर 2018 में शीर्ष अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसले में सदियों पुरानी उस प्रथा को रद्द कर दिया, जिसके तहत 10 से 50 साल की उम्र की महिलाओं के शबरिमला मंदिर में कदम रखने पर रोक थी। न्यायालय ने कहा था कि यह रोक समानता और पूजा की आजादी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। इस फैसले के बाद पूरे केरल में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए। अयप्पा भक्तों के एक वर्ग और संघ परिवार से जुड़े संगठनों ने फैसले को लागू किए जाने का विरोध किया। उन्होंने माकपा के नेतृत्व वाली तत्कालीन वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर मंदिर की परंपराओं में दखल देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। जनवरी 2019 में यह विवाद तब और बढ़ गया, जब रजस्वला उम्र की दो महिलाओं ने पुलिस सुरक्षा में शबरिमला मंदिर में प्रवेश किया। वे उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद ऐसा करने वाली वे पहली महिलाएं थीं। इस घटनाक्रम के कारण बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और कानूनी चुनौतियां सामने आईं। तत्कालीन एलडीएफ सरकार ने अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि वह शीर्ष अदालत के आदेश को लागू करने के लिए बाध्य थी। सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में धार्मिक रीति-रिवाजों और लैंगिक न्याय से जुड़े व्यापक सवालों को उठाने वाली याचिकाओं को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया। यह मामला अब भी अदालत में लंबित है।

आचार्य श्रील प्रभुपाद के जीवन पर आधारित पहला कन्नड़ महाकाव्य का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस्कॉन बेंगलूरु ने रविवार को 'श्रील प्रभुपाद चरितामृतम ' का विमोचन किया। यह कन्नड़ में लिखा गया पहला महाकाव्य है जो इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्री श्रीमद ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद के जीवन और उपलब्धियों को दर्शाता है। इस महाकाव्य कविता की रचना कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और कन्नड़ - तुलु साहित्य अकादमी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, प्रसिद्ध कवि डॉ. कब्बिनले वसंत भारद्वाज ने की है। दुर्लभ अष्टादशपदी गीतमाला छंद में लिखी गई , यह कृति प्राचीन और आधुनिक कन्नड़ की सुंदरता को जोड़ती है और पारंपरिक गामाका शैली में रचित है।

इस कार्यक्रम में, उडुप्पी स्थित श्री आदमरु मठ के प्रमुख परम पूज्य श्री श्री ईशाप्रिया तीर्थ श्रीपाद, प्रख्यात शिक्षाविद और एकेडमी फॉर क्रिएटिव टीचिंग के अध्यक्ष डॉ. गुरुराज करजगी उपस्थित थे। बेंगलूरु इस्कॉन के अध्यक्ष श्री मधु पंडित दास ने कहा कि कन्नड़ महाकाव्य श्रील प्रभुपाद चरितामृत एक बहुमूल्य पुस्तक है जो कन्नड़ भाषी लोगों को प्रभुपाद की कृष्ण चेतना और उनकी अद्वितीय उपलब्धियों से परिचित कराती है। उन्होंने भक्तों से अपील की, इस कृति में निहित आध्यात्मिक शक्ति में कन्नड़ भाषी लोगों के दिलों को जीतने की क्षमता है।

यह महाकाव्य श्रील प्रभुपाद के असाधारण जीवन का चित्रण करता है। कोलकाता में उनके बचपन से लेकर, उनके आध्यात्मिक प्रशिक्षण, सत्तर वर्ष की आयु में अमेरिका की उनकी ऐतिहासिक यात्रा और इस्कॉन को एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक आंदोलन के रूप में विकसित करने में उनकी महान उपलब्धियों तक, यह उनके जीवन की प्रमुख घटनाओं का काव्यात्मक वर्णन करता है। यह उनकी भक्ति, त्याग, वैश्विक प्रभाव और मानवता के प्रति अमूल्य योगदान का एक भावपूर्ण वर्णन है। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. कबीनाले वसंत भारद्वाज ने कहा कि वे इस महाकाव्य को श्रील प्रभुपाद के अवशेषों को अपनी विनम्र भेंट के रूप में समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि यह रचना कन्नड़ पाठकों की आने वाली पीढ़ियों तक श्रील प्रभुपाद के जीवन और संदेश को संप्रेषित करेगी।

आईआईटी मद्रास ने प्रतिवर्ष 100 टन ई-अपशिष्ट के प्रसंस्करण में सक्षम प्रायोगिक संयंत्र विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आईआईटी-एम) के शोधकर्ताओं ने एक स्वदेशी प्रायोगिक संयंत्र विकसित किया है, जो प्रतिवर्ष 100 टन इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट का प्रसंस्करण करने में सक्षम है। आईआईटी मद्रास की ओर से रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह संयंत्र प्रतिवर्ष 100 टन प्रिंटेड सर्किट बोर्ड' (पीसीबी) के उपचार के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के तिरुचिरापल्ली में स्थित परिसर में स्थापित किया गया है।

यह संयंत्र बेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड को संशोधित करता है, जो इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट के सबसे खतरनाक और धातुओं से भरपूर घटकों में से एक है। पीसीबी में तांबा, सीसा और टिन जैसी धातुएं पर्याप्त मात्रा में होती हैं। यदि ई-वेस्ट का उचित प्रबंधन नहीं किया जाए, तो ये धातुएं मिट्टी और भूजल में रिसकर लंबे समय तक पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। ऐसे समय में जब भारत में हर वर्ष लगभग 50 लाख मीट्रिक टन ई-अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है, आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा विस्तार योग्य (स्केलेबल) और उत्सर्जन मुक्त प्रायोगिक संयंत्र विकसित एवं प्रदर्शित किया है, जो फेंके गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से मिट्टी, पानी या वायु को प्रदूषित किए बिना मूल्यवान धातुएं निकाल सकता है।

अभिनेत्री गौतमी ने अन्नाद्रमुक से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक की उप प्रचार सचिव अभिनेत्री गौतमी तड़िमल्ला ने तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का हवाला देते हुए रविवार को पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीसामी को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, ''मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मैं भारी मन से अन्नाद्रमुक की प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के उप प्रचार सचिव पद से इस्तीफा दे रही हूं, ताकि मैं समाज सेवा कर सकूं।'' उन्होंने अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्रियों, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनके पार्टी में शामिल होने के दिन से ही हर तरह से उनका सहयोग किया।

गौतमी अन्नाद्रमुक में शामिल होने से पहले दो दशकों से अधिक समय तक भाजपा की सदस्य रही थीं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत मुद्दों के संबंध में पार्टी नेतृत्व से सहयोग न मिलने का हवाला देते हुए अक्टूबर 2023 में भाजपा छोड़ दी थी।

वह फरवरी 2024 में पलानीसामी की उपस्थिति में अन्नाद्रमुक में शामिल हुई थीं। बाद में उसी वर्ष अक्टूबर में उन्हें अन्नाद्रमुक का उप प्रचार सचिव नियुक्त किया गया था। गौतमी ने इस साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) गठबंधन के पक्ष में सक्रियता से प्रचार किया था।

अन्नाद्रमुक ने जो 47 सीटें जीती हैं उनमें 31 सीटें पीएमके की दी हुई 'खैरात' हैं : सी वी षणमुगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिंदीवनम। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी को निशाने पर लेते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सी.वी. षणमुगम ने रविवार को दावा किया कि उत्तरी इलाकों में पार्टी का चुनावी अस्तित्व पूरी तरह से उसके सहयोगी दलों पर निर्भर है। उन्होंने वहां अन्नाद्रमुक द्वारा जीती गई सीटों को पीएमके की ओर से दी गई ''खैरात'' बताया। पार्टी की लगातार चुनावी हार के बाद पलानीस्वामी के खिलाफ खुली बगावत करते हुए, पूर्व मंत्री षणमुगम ने आरोप लगाया कि मौजूदा नेतृत्व ने पार्टी को व्यक्तिगत अहंकार, पारिवारिक प्रभाव और वित्तीय हितों से प्रेरित होकर ''तानाशाही की ओर'' धकेल दिया है।

षणमुमग ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वे (पार्टी के शीर्ष नेता) बेशर्मी से 47 सीटों पर जीत का दावा करते हैं। इसे जीत कैसे कहा जा सकता है? उन 47 सीटों में से 31 सीटें तो पट्टालि मक्कल काची (पीएमके) की तरफ से खैरात में मिली हैं।''

उन्होंने कहा कि अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पीएमके के साथ गठबंधन के बिना, अन्नाद्रमुक को अहम उत्तरी इलाके में एक भी सीट नहीं मिलती। उन्होंने यह भी कहा कि पलानीस्वामी के लिए खुद अपने गढ़ को बचाए रखना भी मुश्किल हो जाता।

उन्होंने कहा, ''अगर पीएमके के साथ गठबंधन न होता, तो अन्नाद्रमुक को अरियालुर, कुड्डालोर, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, तिरुवन्नामलाई, वेल्लोर, धर्मपुरी और यहां तक कि सेलम जैसे उत्तरी ज़िलों में जीत हासिल करने में मुश्किल होती या फिर उसे भारी हार का सामना करना पड़ता।'' पलानीस्वामी के काम करने के तरीके की आलोचना करते हुए, वरिष्ठ नेता षणमुगम ने आरोप लगाया कि द्रमुक-विरोधी भावना की नींव पर एमजी रामचंद्रन द्वारा खड़ी की गयी पार्टी अपनी मुख्य वैचारिक पहचान खो रही है।

निराश होकर पार्टी छोड़ रहे समर्पित कार्यकर्ताओं को ''गद्दार'' कहने पर षणमुगम ने पलानीस्वामी की तीखी आलोचना की। पार्टी के इतिहास का उल्लेख करते हुए षणमुगम ने पूछा कि क्या केवल द्रमुक नेतृत्व द्वारा दशकों पहले पार्टी से निकाले जाने पर ''गद्दार' कह देने भर से पार्टी के संस्थापक एमजीआर वास्तव में गद्दार हो गए। उन्होंने कहा, ''जब एमजीआर को द्रमुक से निकाला गया था, तब उन्हें गद्दार कहा गया था। तो क्या इससे एमजीआर गद्दार बन गए? द्रमुक की जीतों के पीछे सबसे बड़ा कारण वही थे। सी. एन. अन्नादुरई और एम. करुणानिधि के मुख्यमंत्री बनने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।''

होसबाले की टिप्पणी पर भागवत ने कहा, उनका संदर्भ देश के बजाय लोगों से था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का शनिवार को बचाव किया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए एक विकल्प खुला रखने की बात कही थी। भागवत ने कहा कि होसबाले ने पड़ोसी देश के लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। मई में 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में होसबाले की टिप्पणी को लेकर आरएसएस के दृष्टिकोण से जुड़े सवाल पर भागवत ने कहा कि संगठन पाकिस्तान के संबंध में केंद्र सरकार की नीति का पालन करेगा।

उन्होंने आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत यहां आयोजित एक संवाद सत्र में कहा, ''लेकिन पाकिस्तान में ऐसे कई लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का बंटवारा गलत था और वहां के कई पत्रकार आरएसएस और उसके काम की तारीफ़ करते हैं। वहां ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जो पाकिस्तान के खिलाफ और दो-राष्ट्र सिद्धांत के विरोध में हैं तथा कहते हैं कि साथ रहना बेहतर था।'' भागवत ने कहा कि अगर भविष्य में भारत को पाकिस्तान को बुरी तरह हराना है, तो वहां के लोगों को या तो भारत में शामिल करना होगा या फिर उन्हें उसी देश में शांति से रहने लायक बनाना होगा और इसके लिए बातचीत के दरवाज़े खुले रखने होंगे। उन्होंने कहा, ''हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव या तरीका नहीं है। इसलिए हमें कोई न कोई रास्ता खुला रखना चाहिए। हमें अन्याय और अत्याचार को खत्म करना चाहिए, लेकिन जो अच्छा है, उसे भी बचाकर रखना चाहिए।''

जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए राजग से अलग होगी टीएमसी-एम : जीके वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल मानिला कांग्रेस-मूपनार (टीएमसी-एम) ने स्वतंत्र रूप से अपने जमीनी संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने की घोषणा की। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) कर रही है। गठबंधन में अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके), पट्टालि मक्कल काची (अंबुमणि) और जी. के. वासन की टीएमसी-एम भी शामिल हैं।

पार्टी की कार्यकारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वासन ने कहा कि राजग से अलग होने का फैसला पूरी तरह सौहार्दपूर्ण तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्नाद्रमुक सहित पूर्व सहयोगियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बने रहेंगे। वासन ने कहा, यह चुनाव का समय नहीं है और यह फैसला केवल हमारे जिला अध्यक्षों तथा राज्य स्तरीय पदाधिकारियों से मिली व्यापक प्रतिक्रिया के आधार पर लिया गया है। उनका मानना है कि पार्टी को अपनी अलग पहचान के साथ काम करते हुए अपने संगठनात्मक आधार को फिर से मजबूत करना चाहिए।

भारत और उसके लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं राहुल गांधी : वित्त मंत्री निर्मली सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को बेंगलूरु में फल और सब्जी विक्रेताओं से बातचीत करती हुईं।

बेंगलूरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश में भारत एवं उसके लोगों की उपलब्धियों को ''कमतर'' आंकते हैं। सीतारमण ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कोविड-19 वैश्विक महामारी और पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की उपलब्धियों को ''नजरअंदाज'' करते हैं। उन्होंने कहा कि देश के सामने ऐसा कोई संकट नहीं है, जैसा राहुल गांधी पेश कर रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित 'विकसित भारत संकल्प समावेश' में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जब भी बोलते हैं, तो हर चीज की केवल आलोचना करते हैं और भारत के लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करके वह प्रधानमंत्री मोदी या केंद्र सरकार को कमतर दिखा रहे हैं।

सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी लगातार कहते रहते हैं कि अगले कुछ सप्ताह में सब कुछ ढह जाएगा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बार-बार कहते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है, लेकिन भारत के सामने ऐसा कोई संकट नहीं है। उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत, तिमाही दर तिमाही और साल दर साल भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।'' केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत के सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने की बात सरकार नहीं कह रही, बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) भी यही कहते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता के बार-बार केवल आलोचना करने से आम नागरिकों के बीच देश की आर्थिक स्थिति को लेकर गलत धारणा बन सकती है। उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद नेता प्रतिपक्ष और उनकी पार्टी भारत को कमतर दिखाने में लगे हैं। वे लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं कि भारत संकट में है। पश्चिम एशिया में संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत आगे बढ़ रहा है।''

सीतारमण ने ईंधन आपूर्ति और वैश्विक व्यापार पर भू-राजनीतिक तनाव के असर को समझाते हुए कहा कि चुनौतियां केवल कच्चे तेल और एलपीजी की कीमतों में उतार-चढ़ाव तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''इन चुनौतियों का असर केवल कच्चे तेल और एलपीजी की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक जहाजरानी पर भी पड़ता है। जहाजरानी कंपनियां संघर्ष वाले क्षेत्रों से पोत भेजने में हिचकिचाती हैं। पोतों पर हमले का खतरा होने के कारण बीमा प्रीमियम बढ़ जाता है। पोत खाली हो या कच्चा तेल लेकर जा रहा हो, बीमा लागत काफी बढ़ जाती है और देश तक आपूर्ति पहुंचाने के लिए इन लागतों का भुगतान आखिरकार करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आने दी।

सीतारमण ने कहा, ''दुर्भाग्य से, नेता प्रतिपक्ष को इनमें से कोई बात मायने रखती नहीं दिखती।'' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों का संदेश लोगों तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि 'विकसित भारत संकल्प समावेश' एक बड़े राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, भारत ने 1947 में अपनी आजादी के लिए संघर्ष किया। वह एक बड़ा आंदोलन था- स्वतंत्रता आंदोलन। आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और सच्चे स्वराज को हासिल करने के लिए हमें विकसित भारत की दिशा में काम करना होगा इसलिए यह 'संकल्प समावेश' उस आंदोलन के प्रति प्रतिबद्धता है। हम सभी को इसमें भाग लेना होगा।''

सीतारमण ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा की 12 वर्ष की यात्रा विकास और कल्याण की यात्रा रही है। उन्होंने बहुआयामी गरीबी में कमी, नल जल कनेक्शन के विस्तार, स्वच्छता कवरेज, मुफ्त एलपीजी कनेक्शन और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''25 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। अत्यधिक गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर लगभग 11.28 प्रतिशत रह गई है।

कन्नूर हवाई अड्डे पर बम की झूठी धमकी मिली, केरल पुलिस ने शुरू की जांच

कन्नूर/भाषा। केरल के कन्नूर हवाई अड्डे पर बम होने की झूठी धमकी मिली। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मट्टन्नूर पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर हवाई अड्डे और दो विमानन कंपनियों की कई ईमेल आईडी पर एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि हवाई अड्डे पर विस्फोटक लगा दिये गये हैं और उसे (हवाई अड्डे को) बम विस्फोट कर उड़ा दिया जाएगा । पुलिस का कहना है कि इस धमकी के बाद हवाई अड्डे और संबंधित विमानों में गहन तलाशी की गयी लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला एवं यह धमकी झूठी साबित हुई। अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डे के सहायक प्रबंधक की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता , सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरल पुलिस अधिनियम के विभिन्न संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

न्यायालय ने कर्नाटक के दो अधिकारियों से जुड़े मानहानि विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजा

नई दिल्ली/बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कर्नाटक कैडर की अधिकारी रोहिणी सिंदूरी और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी डी रूपा मौदगिल के बीच लंबे समय से जारी मानहानि विवाद को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस लंबी कानूनी लड़ाई से दोनों वरिष्ठ सिविल सेवकों के करियर को नुकसान हो रहा है। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ को अधिकारियों के बीच आपसी सहमति से समझौता कराने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, वे दोनों एक-दूसरे का करियर बर्बाद कर रही हैं। पीठ ने कहा कि उसकी राय है कि विवाद को लगातार मुकदमेबाजी के बजाय मध्यस्थता के जरिये सुलझाया जा सकता है। उसने कहा, मौजूदा मामले में शीर्ष अदालत का मानना है कि विवाद को मध्यस्थता के जरिये सुलझाया जा सकता है। पीठ ने कहा, उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश कुरियन जोसेफ को मध्यस्थ नियुक्त किया जाता है। संबंधित पक्षों को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जोसेफ के समक्ष पेश होना होगा। उसने कहा, अंतरिम राहत के तौर पर दोनों पक्षों के बीच चल रहे दोनों मामलों में आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी। यह विवाद 2023 में दोनों अधिकारियों की ओर से एक-दूसरे पर सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोपों से शुरू हुआ, जिसके बाद उन्होंने मानहानि के मुकदमे दायर किए। मौदगिल की शिकायत पर शुरू की गई आपराधिक मानहानि की कार्यवाही को चुनौती देने वाली सिंदूरी की याचिका को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद यह मामला शीर्ष अदालत पहुंचा।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

निविदा सूचना सं. 2026472212247

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। पात्रता और अन्य नियम एवं शर्तों के विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा तिथि	
			समाप्ति	प्रारंभिक
1.	2026472212247	D&D सेंटर में आपदा रिकवरी समाधान स्थापित करना	09.07.2026 दोपहर 15:00 बजे	09.07.2026 दोपहर 15:00 बजे के बाद

राजस्थान एसीबी ने बेंगलूरु के तीन पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते हुए पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को बेंगलुरु पुलिस की एक महिला उप-निरीक्षक और दो हेड कांस्टेबल को जयपुर के एक होटल में कथित रूप से 40,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उप-निरीक्षक अनीता के. औ हेड कांस्टेबल उल्लवप्पा तेगुर तथा यतीश के रूप में हुई है। तीनों कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थित एचएएल थाने में तैनात हैं।

एसीबी के अनुसार, एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिकायतकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ बेंगलुरु के एचएएल थाने में दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज है।

एसीबी ने बताया कि मामले की जांच के सिलसिले में आरोपी पुलिसकर्मी जयपुर आए थे और कथित तौर पर मामले को कमजोर करने तथा परिवार के सदस्यों को आरोपों से मुक्त कराने के बदले दो लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। सत्यापन के बाद एसीबी ने रिश्वतखोरी के आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया और शिकायतकर्ता को अगले दिन सुबह तक धनराशि की व्यवस्था करने के लिए कहा गया था।

इसके बाद एसीबी की टीम ने जयपुर के होटल गणगौर में जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान हेड कांस्टेबल उल्लवप्पा तेगुर को कथित रिश्वत राशि के हिस्से के रूप में 40,000 रुपये स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान महिला उप-निरीक्षक और हेड कांस्टेबल यतीश की संलिप्तता का भी पता चला, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर हुई हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हुई जबकि पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि इस अवधि में राज्य में कहीं भी लू नहीं चली। मौसम विभाग के अनुसार, जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में सर्वाधिक 44 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई।

विभाग ने बताया कि फलौदी राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, न्यूनतम तापमान भी 30.8 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग में बताया कि राज्य में न्यूनतम तापमान सबसे कम सिरोही में दर्ज हुआ, जहां पारा 22.6 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा।

बाघों और वन्यजीवों पर डिजिटल पहरा, एआई से होगी जंगल की रखवाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के वन्यजीव अभयारण्यों में बाघों तथा अन्य वन्यजीव प्रजातियों की गतिविधियों की निगरानी और अवैध शिकार की रोकथाम के लिए वन विभाग अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली की मदद लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिकार रोधी तंत्र, सॉफ्टवेयर आधारित निगरानी प्रणाली है जिसमें थर्मल और ऑप्टिकल कैमरे, ड्रोन, वायरलेस नेटवर्क, सौर ऊर्जा प्रणाली और अन्य तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। वन विभाग के अनुसार इस परियोजना का वित्त पोषण और क्रियान्वयन सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग और 'राजकाम्प इंफो सर्विस लिमिटेड' द्वारा किया जा रहा है। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी. अरुण प्रसाद ने बताया कि प्रथम चरण में राज्य के प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों में 56 निगरानी तंत्र लगाए गए थे और पांच ड्रोन तैनात किए गए थे। इनमें रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में 12, सरिस्का बाघ अभयारण्य में 16, मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य में 16, जंवाई तेंदुआ अभयारण्य में चार और झालाना तेंदुआ अभयारण्य में आठ निगरानी तंत्र लगाए गए थे।

अधिकारी ने बताया कि निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए मौजूदा तंत्र को नवीनतम तकनीक से अद्यतन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पुराने कैमरा नेटवर्क, सर्विलांस सॉफ्टवेयर, संचार उपकरणों को बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब द्वितीय चरण में दूसरे अभयारण्यों में आधुनिक और नई तकनीक के 15 निगरानी तंत्र लगाए जा रहे हैं। इसमें रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य में 3, जमवा रामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में 3, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 2, कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में 4 और टोडगढ़ रावली वन्य अभयारण्य में 3 निगरानी तंत्र लगाने का काम किया जा रहा है। अगले तीन महीने में सभी जगहों पर निगरानी तंत्र लगा दिए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इनका उद्देश्य अभयारण्यों की 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था करना है। साथ ही इससे बाघों और अन्य वन्यजीवों की गतिविधियों के बारे में पता लग सकेगा। वन विभाग के अनुसार, कई बार बाघ या अन्य वन्यजीव वन क्षेत्र से बाहर निकलकर आवासीय क्षेत्रों में चले जाते हैं। यदि वन्यजीव जंगल से बाहर निकलेंगे तो इस निगरानी तंत्र के माध्यम से संबंधित उपवन संरक्षक और वनकर्मियों के मोबाइल पर संदेश पहुंचेगा, जिससे वे सर्तक हो जाएंगे और तुरंत स्थिति को संभाल सकेंगे। इस प्रणाली से वन्यजीव अपराधों पर भी लगाम लग सकेगी। वन में किसी भी जगह पर यदि वन्यजीवों के शिकार की घटना होगी तब भी वन अधिकारियों को मोबाइल पर संदेश पहुंचेगा। अधिकारियों ने बताया कि इन निगरानी तंत्र में लगाए गए 'डुअल सेंसर कैमरा' आठ किलोमीटर तक 360 डिग्री में जंगल में होने वाली गतिविधियों को कैद कर सकता है। ये कैमरे बाघों की धारियों के पैटर्न के आधार पर उनकी पहचान करने और किसी भी गतिविधि का सटीक स्थान बताने में भी सक्षम होंगे।

केंद्र सरकार के 12 वर्षों के विकास, विश्वास एवं जनकल्याण की उपलब्धियों के परिप्रेक्ष्य में की प्रेसवार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के विकास, विश्वास एवं जनकल्याण की उपलब्धियों के परिप्रेक्ष्य में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने जिला कलेक्ट्रेट धौलपुर में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्था यूपीआई में भारत अग्रणी है। वर्तमान में भारत में सभी डिजिटल भुगतान लेनदेन का लगभग 85 प्रतिशत और रीयल टाईम डिजिटल भुगतान में विश्व का लगभग आधा हिस्सा है। आज का युवा नौकरी खोजने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनने की दिशा में अग्रसर है। 4 लाख 30 हजार करोड़ की पीएम किसान सम्मान निधि सीधे खातों में हस्तांतरण की है। 4 करोड़ किसानों को 2 लाख करोड़ रूपये का फसल बीमा किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया।

उन्होंने कहा कि एमएसपी दर पर 26 लाख करोड़ रूपये की फसल खरीद की गई। 8 करोड़ किसानों को किसान क्रडिट कार्ड दिए गए। खाद्यान्न एवं दुग्ध उत्पादन में लगभग 70 प्रतिशत की रिकॉर्ड ऐतिहासिक वृद्धि हुई। कृषि के क्षेत्र में ड्रोन, डिजिटल प्लेटफार्म एवं तकनीकी का विस्तार हुआ। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सम्मान, सुरक्षा और नेतृत्व में कहा कि 32 करोड़ महिलाओं के जनधन खाते खोले गए। 3 करोड़ लखपति दीदी को लाभ दिया गया। 10 करोड़ ग्रामीण महिलाऐं 91 लाख सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण किया गया।

सुकन्या समृद्धि योजना में 4 करोड़ 50 लाख से ज्यादा खाते खोले गए। उज्ज्वला योजना में करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बन बनाया। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गो को भी 5 लाख रूपये का मुफ्त उपचार किया गया। 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड से सुरक्षा दी गई। मध्यम वर्ग के लोगों के लिए इनकम टैक्स की सीमा 2.5 लाख से सीधे 12 लाख 75 हजार तक बढ़ाई गई। उड़ान योजना के तहत 1.6 करोड़ यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा कराई गई। एमबीबीएस सीटों की संख्या 151 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.3 लाख की गई। आवास, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान किए गए। रेल्वे स्टेशनों का कायाकल्प किया गया। 164 वन्दे भारत ट्रेने दौड़ रही। अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाव रेल ब्रिज, बोगीबील ब्रिज, पॉवन समुद्री पुल जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया। 90 से ज्यादा हवाई अड्डों का निर्माण किया। शतप्रतिशत घरों का विद्युतीकरण किया गया। 100 करोड़ के लगभग इंटरनेट यूजर्स हुए। 23 नए एम्स खोले गए। आतंकवाद के विरूद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत की सामर्थ्य दिखाई। नक्सलमुक्त भारत का सपना साकार हुआ।

वैष्णव के कार्यक्रम में बिजली गुल होने के मामले में दो कर्मचारी निलंबित

जयपुर। जयपुर स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की प्रेस वार्ता के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटना के दो दिन बाद राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आरवीपीएनएल) ने शनिवार को लापरवाही के आरोप में एक सहायक अभियंता (एईएन) और एक इलेक्ट्रीशियन को निलंबित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, इसके अलावा एक अन्य अधिकारी को आरोप-पत्र जारी किया गया है। यह कार्रवाई 11 जून की घटना की जांच के बाद की गई जब भाजपा के राज्य मुख्यालय में बिजली गुल होने से वैष्णव की मीडिया से बातचीत बाधित हो गई थी। बिजली आपूर्ति तीन बार ठप होने के कारण मंत्री को लगभग 10 मिनट तक अंधेरे में ही पत्रकारों को संबोधित करना पड़ा था। हीरापुरा स्थित 400 केवी ग्रिड सब-स्टेशन में ट्रिपिंग होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। इस घटना के बाद बिजली विभाग और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर आलोचना हुई थी। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आरवीपीएनएल ने 400 केवी जीएसएस, हीरापुरा में तैनात सहायक अभियंता विपिन वर्मा और इलेक्ट्रीशियन (ग्रेड-1) बाबू सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल रविवार को एक दिवसीय दौरे पर बालोतरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लघु उद्योग मंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के विषयक प्रबुद्धजन सम्मेलन में भाग लिया तथा पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष भारत के इतिहास में सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के स्वर्णिम कालखंड के रूप में दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4,399 दिनों तक लगातार देश की सेवा कर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक निरंतर कार्य करने का रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि देशवासियों के विश्वास, जनभागीदारी और लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

मंत्री पटेल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने आत्मसम्मान और राष्ट्रीय गौरव के नए आयाम स्थापित किए हैं। नई संसद भवन का निर्माण, नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, भारतीय न्याय संहिता सहित तीन नए आपराधिक कानूनों की शुरुआत तथा मातृभाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा की व्यवस्था ऐतिहासिक निर्णय रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया गया तथा आतंकवाद और नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया। उन्होंने गरीब कल्याण को केंद्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आज 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रतिमाह निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 10.5 करोड़ से अधिक परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। देशभर में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाया गया है।

युवा शक्ति के सशक्तिकरण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 2 करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्रदेश के चहुंमुखी विकास हेतु डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्धता से कर रही कार्य : मीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर जिले के प्रभारी मंत्री तथा कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीना ने रविवार को केंद्र सरकार के 12 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन तथा सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय अलवर के द्वारा नवीन सूचना केंद्र में 12 साल 'विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' की थीम पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से प्रदान की। सेल्फी पॉइंट पर ली सेल्फी, भपंग वादक पद्मगफरुद्दीन खां मेवाती ने योजनाओं पर दी आकर्षक प्रस्तुति

जिला प्रभारी मंत्री ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है, दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। इस दौरान भपंग वादक पद्मगफरुद्दीन खां मेवाती के दल ने लोकगीत के माध्यम से सरकार की योजनाओं पर आकर्षक प्रस्तुति दी।

डॉ. मीना ने प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार के 12 वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के 25 करोड़ नागरिकों को बहुआयामी गरीबी के जाल से सुरक्षित बाहर निकला गया, 4 करोड़ से अधिक पक्के पीएम आवासों का निर्माण करवाया, 81 करोड़ से अधिक लोगों को हर माह मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है, लगभग 9 करोड़ लाभार्थियों का पोषण ट्रैक कर लाभांवित कराया गया, किसानों के बैंक खातों में 4.3 लाख करोड़ रूपये की सम्मान राशि का बिना किसी लीकेज के हस्तांतरण किया गया, करीब 2 करोड़ किसान और करीब 3 लाख व्यापारी ई-नाम पर पंजीकृत हुए, करीब 37 लाख घरों को पीएम सूर्यघर योजना से 78 हजार रूपये तक की सौलर सब्सिडी का लाभ प्रदान की गई, पीएम आवास योजना (शहरी) में लगभग 9 लाख करोड़ आवंटित कर करीब 1 करोड़ घर लोगों को दिये गए, 2.2 लाख से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुये, जिसमें 23 लाख से ज्यादा रोजगार मिले, 9 करोड़ से अधिक यात्रियों ने आधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा की, 1155 किमी. में मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया, अब मैट्रो का 26 शहरों में विस्तार हुआ, 60 करोड़ नागरिकों को 5 लाख तक के सालाना मुफ्त इलाज की सुरक्षा दी जा रही है, इसके लिये देशभर के गांवो और कस्बों में 1.8 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का नेटवर्क स्थापित किया गया है, साथ ही अब 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी 5 लाख तक का मुफ्त उपचार प्रदान किया जा रहा है तथा 19 हजार से ज्यादा जन औषधि केन्द्रों का निर्माण किया गया।

पांच साल की बच्ची की हत्याः राजस्थान पुलिस

जयपुर। जयपुर में पांच साल की बच्ची की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि बच्ची का शव शनिवार को पड़ोसी के घर में मिला। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता ने बताया, ''बच्ची दोपहर के समय लापता हो गई जिसके बाद उसके परिवार ने उसे खोजना शुरू किया एवं बाद में पुलिस को सूचना दी। तलाशी के दौरान उसका शव पड़ोसी के घर में कंबल में लिपटा हुआ मिला।'' पुलिस के अनुसार यह घटना हरमाड़ा इलाके में हुई। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए एक महिला को हिरासत में लिया है। गुप्ता ने कहा,''शुरुआती जांच से पता चलता है कि आरोपी महिला का हाल में बच्ची की मां के साथ झगड़ा हुआ था। शक है कि वह बच्ची को अपने घर ले गई और उसकी हत्या कर दी।'' उन्होंने कहा कि आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है निर्वाचन आयोगः गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सत्ता में होतीं तो वह ऐसे दल पर प्रतिबंध लगा देतीं। जयपुर में एक पुरस्कार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि संविधान में धर्म आधारित राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है और भाजपा चुनावी लाभ के लिए हिंदुत्व के नाम पर लोगों को संगठित कर रही है। उन्होंने कहा, संविधान के तहत सभी धर्म के लोगों को समान अधिकार मिले हुए हैं। धर्म को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने निर्वाचन आयोग पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है। गहलोत ने दावा किया कि न्यायपालिका समेत लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं और मतदान अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे कदम गरीब लोगों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। गहलोत ने भाजपा और आरएसएस की विचारधारा की आलोचना करते हुए उन्हें खतरनाक बताया। उन्होंने कहा, भाजपा ने सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए याद किया, लेकिन उनके मूल्यों की अनदेखी की। गहलोत ने क्षेत्रीय दलों से राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करने का आग्रह किया और कहा कि वह संसद के भीतर और बाहर प्रभावी ढंग से जनता से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं।

मारेल डेम में पहली बार दिखा दुर्लभ ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लालसोट। लालसोट क्षेत्र के मारेल डेम में पहली बार दुर्लभ ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क दिखाई देने का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड सामने आया है। इस दुर्लभ पक्षी की उपस्थिति ने पक्षी प्रेमियों, प्रकृतिविदों और वन्यजीव विशेषज्ञों में उत्साह का माहौल बना दिया है। पक्षी विशेषज्ञ एवं राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि मारेल डेम में इस प्रजाति का यह पहला प्रलेखित रिकॉर्ड है। यह खोज क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क भारत के सबसे आकर्षक और विशाल सारस सदृश पक्षियों में से एक है, जो सामान्यतः अकेले या जोड़े में दिखाई देता है। लगभग 120 से 150 सेंटीमीटर ऊंचे इस पक्षी के पंखों का फैलाव 2 से 2.3 मीटर तक होता है। इसकी चमकदार काली गर्दन और सिर पर नीली-बैंगनी आभा दिखाई देती है, जबकि शरीर का अधिकांश भाग सफेद रंग का होता है। लंबे लाल पैर और मजबूत काली चोंच इसकी विशेष पहचान हैं।

प्रो. पहाड़िया के अनुसार यह पक्षी मुख्य रूप से मछलियों, उभयचरों, छोटे सरीसृपों और अन्य जलीय जीवों का शिकार करता है। इसकी मौजूदगी इस बात का संकेत है कि मारेल डेम का पारिस्थितिक तंत्र अभी भी विविध

वन्यजीवों के लिए उपयुक्त और सुरक्षित आवास उपलब्ध करा रहा है। ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क को निकट संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। भारत में इसकी संख्या लगातार घट रही है, जिससे इसका संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रो. पहाड़िया ने स्थानीय प्रशासन और प्रकृति प्रेमियों से मारेल डेम की आर्द्रभूमि के संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक आवासों को मानवजनित गतिविधियों से होने वाले नुकसान से बचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे दुर्लभ पक्षियों की उपस्थिति भविष्य में क्षेत्र को पक्षी पर्यटन और जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में विशेष पहचान दिला सकती है।

मारेल डेम में ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क का यह पहला रिकॉर्ड क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पक्षी वैज्ञानिक उपलब्धि माना जा रहा है, जो नियमित पक्षी सर्वेक्षण और संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की वैश्विक स्थिति और संप्रभुता को 'कमतर' किया है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तीन भारतीय नाविकों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी को लेकर रविवार को उनपर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इसके लिए कोई सबूत की आवश्यकता नहीं है कि उन्होंने भारत की वैश्विक स्थिति और संप्रभुता को कमतर किया है।

खरगे ने आरोप लगाया कि भारत के राष्ट्रीय हित रोज़ाना समर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, ओमान में अमेरिकी कार्रवाई में मारे गए तीन भारतीय नाविकों के शव भारत लाये जा रहे हैं, ऐसे में मैं इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इस दुखद घटना के तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से कोई सार्वजनिक बयान या संवेदना संदेश नहीं आया है। देश को इसकी प्रतीक्षा थी, मोदी जी।

खरगे ने कहा, ''आपने 'देश नहीं झुकने दूंगा' की बात कही थी, लेकिन अब यह साबित करने की जरूरत नहीं कि आपने भारत की वैश्विक स्थिति और संप्रभुता को कमतर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के राष्ट्रीय हित रोजाना समर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, और आप इस 'विश्वगुरु' का विमर्श गढ़कर कड़वे सच को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत वास्तव में 'विश्वगुरु' तब था जब वह रणनीतिक स्वायत्तता रखता था और गुटनिरपेक्ष नीति अपनाता था। तब दुनिया हमारी बात सुनती थी।

खरगे ने कहा कि विदेश नीति के मामलों में भारतीय नागरिकों के जीवन को गौण बात के रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि जब गंभीर सवाल अनुत्तरित हैं, तब चुप्पी जवाबदेही का विकल्प नहीं हो सकती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश को स्पष्टता चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी इस मुद्दे पर मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ओमान के पास अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद मोदी सरकार की चुप्पी शर्मनाक है।

प्रियंका गांधी ने कहा, अफसोस जताने या माफी मांगने के बजाय अमेरिका धमकी और आदेशों की भाषा अपना रहा है। भारत को यह स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि वह एक संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट्र है जो अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, लेकिन हमारे कमजोर प्रधानमंत्री नागरिकों और देश की संप्रभुता दोनों की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

ये टिप्पणियां तब आयी है, जब एक दिन पहले अमेरिका ने भारत से कहा था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में उसकी नाकेबंदी का कोई भी उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत में यह बात कही, जो शुक्रवार को भारतीय नागरिकों की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए हुई थी।

तृणमूल के बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी में विलय का किया एलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में चल रही बगावत रविवार को अपने चरम पर पहुंच गई, जब पार्टी के असंतुष्ट सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी में अपने विलय की घोषणा कर दी। इन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर सदन में अपने लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि टीएमसी के दो-तिहाई लोकसभा सदस्यों ने एक अलग समूह के रूप में मान्यता देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा, टीएमसी के दो-तिहाई सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को अलग बैठने की व्यवस्था के लिए पत्र दिया है। हम नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी में विलय करेंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करेंगे।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि असंतुष्ट खेमे ने पहले ही नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया है, जिसे उन्होंने एक क्षेत्रीय दल बताया।

'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी' त्रिपुरा की एक कम प्रसिद्ध पंजीकृत, लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले धड़े के दावों के बारे में पूछे जाने पर बंदोपाध्याय ने कहा कि असली टीएमसी कौन है, इसका फैसला अदालतें करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी के चुनाव चिह्न 'दो फूल' (जोड़ा फूल) पर भी अपना दावा ठोकेंगे।

बंदोपाध्याय ने कहा, अदालत बाद में फैसला करेगी कि असली टीएमसी कौन है। हमने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर उनके समक्ष अपनी मांग रख दी है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब टीएमसी नेता कीर्ति आजाद और सागरिका घोष ने भी रविवार को अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। उन्होंने टीएमसी लोकसभा संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखा गया एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा, जिसमें उनसे किसी भी कथित अलग गुट को मान्यता न देने का आग्रह किया गया है। इस पत्र में तर्क दिया गया है कि संविधान किसी मौजूदा राजनीतिक दल के भीतर एक अलग समूह बनाने की अनुमति नहीं देता है।

दस जून की तारीख वाले इस पत्र को पहले ईमेल के जरिए भी भेजा गया था, जिसमें कहा गया है कि दलबदल विरोधी कानून इस तरह के विभाजन की इजाजत नहीं देता।

उत्तर प्रदेश की छवि बदली, लोग अब जय श्री राम कहकर अभिवादन करते हैं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पिछले नौ वर्ष में प्रदेश की छवि तेजी से बदली है और राज्य के लोग अब जय श्री राम कहकर अभिवादन करते हैं और देशभर में उनका सम्मान होता है।

गोरखपुर में 926 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू तमगे से उबर कर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का इंजन बना है।

उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश जहां आप रह रहे हैं, अब इसके सामने पहचान का संकट नहीं है। लोग अब आपका सम्मान करते हैं। आज उत्तर प्रदेश बदला है। इस राज्य ने एक नयी पहचान हासिल की है। अब लोग आपको संदेह की नजर से नहीं देखते।

मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश का नागरिक देश में जहां भी जाता है, लोग जय श्री राम कहकर उसका अभिवादन करते हैं। अब प्रदेश के निवासियों को देशभर में गर्व के साथ पहचाना जाता है। उन्होंने कहा, आप कहीं भी जाएं- उत्तर, दक्षिण, पूरब या पश्चिम और आपको पहचाना जाएगा। आज उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ लोग अपनी पहचान आगे करके गर्व के साथ यात्रा करते हैं। मुख्यमंत्री ने इसका श्रेय ढांचागत विकास को देते हुए कहा कि इस प्रदेश में अब देश का सर्वोत्तम एक्सप्रेसवे नेटवर्क है, तेजी से रेलवे प्रणाली, हवाई संपर्क, मेट्रो परियोजनाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा, नए बिजली संयंत्र लग रहे हैं, उद्योगों की स्थापना की जा रही है और आधुनिक प्रौद्योगिकी पूरे प्रदेश में लागू की जा रही है। यह नए भारत का नया यूपी है।

भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 21 लोगों को रोका गया : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे 21 अवैध प्रवासियों को रोक दिया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम पुलिस और बीएसएफ के उत्कृष्ट संयुक्त प्रयास से 21 घुसपैठियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया।'' हालांकि, उन्होंने इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

मुख्यमंत्री ने कहा, सीमाओं को सुरक्षित करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना... हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुआयामी रणनीति जारी है। असम के श्रीभूमि, कछार, धुबरी और दक्षिण शालमारा मानकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

भारत को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की यात्रा को स्थगित कर देना चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि भारत को कम से कम अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर की यात्रा को स्थगित कर देना चाहिए और कोई भी स्वाभिमानी राष्ट्र ''बुली'' करने वालों के खिलाफ अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए केवल फोन कॉल और प्रेस वक्तव्यों से कहीं प्रयास अधिक करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की संभावना है। विपक्षी पार्टी ने सवाल उठाया कि क्या वे ओमान तट के निकट एक जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत को लेकर भारत की कड़ी निंदा का मुद्दा उठाएंगे तथा गत 12 जून को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा इस्तेमाल की गई ''धमकी भरी और अस्वीकार्य भाषा'' का मुद्दा उठाएंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही अपने स्वयं-घोषित अच्छे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सभी भारतीय नागरिकों के मन में सबसे प्रमुख सवाल यह है कि (1) क्या प्रधानमंत्री मोदी ओमान तट के निकट एक जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत को लेकर भारत की ओर से कड़ी निंदा का मुद्दा उठायेंगे; और (2) 12 जून, 2026 को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा इस्तेमाल की गई धमकी भरी और अस्वीकार्य भाषा का मुद्दा उठाएंगे।'' उन्होंने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर भी जल्द ही भारत आने वाले हैं, ताकि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके।

रमेश ने कहा, ''हमें याद रखना चाहिए कि 'पारस्परिक और परस्पर लाभकारी व्यापार को लेकर अंतरिम समझौते की रूपरेखा' की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन फरवरी, 2026 की रात को की थी। उन्होंने कहा था कि यह प्रधानमंत्री मोदी के विशेष अनुरोध पर किया गया था, उस समय जब प्रधानमंत्री मोदी संसद में राहुल गांधी द्वारा चीन को लेकर उनकी 'कायरता' के खुलासे के दबाव में थे।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''यह 'डील' भारत के लिए एकतरफा नुकसान वाला सौदा था, जिसमें मोदी सरकार ने भारी एकतरफा रियायतें दीं, जो हमारे किसानों और उद्योगों के लिए खतरा हैं।''

रमेश ने कहा कि मलेशिया जैसे देशों ने अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के बाद, जिसमें इन समझौतों की पृष्ठभूमि बने ट्रंप-टैरिफ को रद्द कर दिया गया था, अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौतों को ''अमान्य'' घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार न सिर्फ इस व्यापार समझौते को छोड़ने में नाकाम रही है, जो भारत के करोड़ों किसानों के भविष्य को खतरे में डालती है, बल्कि वह तब भी चुप और असहाय बैठी रही, जब विदेश मंत्री रुबियो ने घोषणा की थी कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है -यानी अमेरिका से भारत के वार्षिक आयात को प्रभावी रूप से दोगुना करना। उन्होंने कहा, ''रुबियो-जयशंकर बातचीत, राष्ट्रपति ट्रंप की शुल्क व्यवस्था को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा पलटे जाने और इस व्यापार समझौते की साफ अन्यायपूर्ण प्रकृति को देखते हुए, भारत को कम से कम अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की यात्रा स्थगित करनी चाहिए।'' रमेश ने कहा, ''कोई भी स्वाभिमानी देश 'बुली' करने वालों के खिलाफ अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए केवल फोन कॉल और प्रेस वक्तव्यों से कहीं अधिक प्रयास करेगा।''

नीरज चोपड़ा का राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का रविवार को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में चयन किया गया। यह चयन हालांकि आगामी प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के क्वालीफाइंग मानकों को पूरा करने पर निर्भर रहेगा।

महासंघ की चयन समिति की अंतिम बैठक के बाद घोषित 32 सदस्यीय टीम में गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेष कुजुर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5,000 और 10,000 मीटर), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन और ऊंची कूद), पारुल चौधरी (3,000 मीटर स्टीपलचेज) और पैदल चाल एथलीट प्रियंका भी शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होगा।

चोपड़ा ने 2025 विश्व चैंपियनशिप (टोक्यो) के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। वह पीठ की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने अभी तक अपना सत्र शुरू नहीं किया है।

पूर्व विश्व चैंपियन के अगले 10 दिनों के भीतर प्रतिस्पर्धा में वापसी करने की उम्मीद है। उन्होंने एएफआई से अनुरोध किया है कि राष्ट्रमंडल खेलों की पात्रता के लिए उनके आगामी प्रदर्शन को भी मान्य माना जाए।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''चोपड़ा पीठ की चोट से उबर चुके हैं। वह अब पूरी तरह फिट होकर अभ्यास कर रहे हैं और संभवतः अगले 10 दिनों में प्रतियोगिता में उतरेंगे।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने अनुरोध किया है कि वह राष्ट्रमंडल खेलों से पहले कुछ प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। वह अगर क्वालीफाइंग मानक हासिल करते हैं, तो वह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चयनित रहेंगे।''

चोपड़ा को टीम में जगह बनाने के लिए एएफआई द्वारा निर्धारित 82.61 मीटर का क्वालीफाइंग मानक हासिल करना होगा।

हरियाणा के 28 वर्षीय चोपड़ा इस समय स्विट्ज़रलैंड के बिएन में 47 दिवसीय 'ऑफ-सीजन' (सत्र खत्म होने और नया सत्र शुरू होने के बीच का समय)प्रशिक्षण शिविर में हैं। उनके साथ फिजियोथेरेपिस्ट ईशान मरवाहा और कोच जय चौधरी भी मौजूद हैं।

छोटे कारोबारियों की समृद्धि के बिना देश खुशहाल नहीं बन सकता : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि जब तक कारोबारी वर्ग संपन्न नहीं होगा, तब तक देश खुशहाली के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ सकता।

यादव ने यहां 'विजन इंडिया (पीडीए)' संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं आगरा इसलिए आया हूं कि छोटे कारोबारी क्यों बर्बाद हो रहे हैं, इस बारे में आप लोगों के सुझाव ले सकूं।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम भारत को नए स्वरूप में देखना चाहते हैं, तो 'विजन इंडिया' की शुरुआत इसी विषय से करेंगे कि छोटे कारोबार क्यों बर्बाद हो रहे हैं।''

सपा प्रमुख ने कहा, ''जब तक हमारा कारोबारी वर्ग संपन्न नहीं होगा, तब तक हम खुशहाली का रास्ता नहीं अपना सकते। इसलिए हमें व्यापक सोच के साथ छोटे कारोबार और छोटे कारोबारियों की समस्याओं पर बात करनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि छोटे कारोबारियों की समस्याओं, चुनौतियों, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को तब तक नहीं समझा जा सकता, जब तक उन्हें विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत नहीं किया जाता। उनकी समस्याओं और कारोबार की प्रकृति को समझे बिना उनका समाधान संभव नहीं है।'' यादव ने वर्ष 2012 से 2017 के बीच समाजवादी पार्टी सरकार के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आगरा और आसपास के क्षेत्रों के उद्यमियों, पेशेवरों और बुद्धिजीवियों को 'विजन इंडिया' के माध्यम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह पीडीए संवाद भी उसी दिशा में एक प्रयास है। यह एक प्रगतिशील संवाद है, जिसके माध्यम से हम लोगों से जुड़कर उनकी बात सुनना चाहते हैं।'' यादव ने दावा किया कि वर्ष 2012 से 2017 के दौरान हुए विकास कार्य किसी से छिपे नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''अगर मैं एक-एक काम गिनाने लगूं, तो शायद आपको विश्वास हो जाएगा कि जितना काम समाजवादी सरकार के दौरान हुआ, उतना पहले कभी नहीं हुआ था। विशेष रूप से आगरा के विकास के लिए हमने कई महत्वपूर्ण पहल की थीं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, संग्रहालय, मेट्रो तथा अन्य परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमने सपना देखा था कि आगरा को लखनऊ से जोड़ा जाए। उस समय बैंकों का भी पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा था और बड़ी परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाना चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद राज्य के बजट से बनने वाला आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया।''

यादव ने कहा कि 'विजन इंडिया' कार्यक्रम की शुरुआत गाजियाबाद से की गई थी, जहां किसानों और खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, ''हमने कहा था कि जब खेत मुस्कुराएगा, तब देश मुस्कुराएगा। छोटे कारोबार और लघु उद्योगों की गतिविधियां भी वहीं से गति पकड़ती हैं। हमारी अर्थव्यवस्था की बुनियाद कृषि से ही जुड़ी है।''

सपा प्रमुख ने कहा कि आगरा की पहचान देश ही नहीं, दुनिया भर में है और इसका वैश्विक महत्व है। उन्होंने आगरा से इटावा तक कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इटावा लायन सफारी का उदाहरण दिया। यादव ने कहा, ''आज पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ गए हैं, इसलिए लोग साइकिल का अधिक उपयोग कर रहे हैं। समाजवादी सरकार ने देश का पहला साइकिल हाईवे बनाकर इटावा को आगरा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया था, जो आज भी उपयोग में है।''

कांग्रेस और सपा का अब न कोई ठौर है, न ठिकाना : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता के बीच इन दोनों की पैठ इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब न इनका कोई ठौर है, न ठिकाना।

मौर्य ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 2029 के लिए मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं, जबकि देश 2047 के विकसित भारत के संकल्प के साथ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जनता परिवारवाद, तुष्टीकरण और खोखले वादों की राजनीति की असलियत पहचान चुकी है। देश ने विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं निर्णायक नेतृत्व पर बार-बार अपना अटूट विश्वास जताया है।''

उप मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा ''आज कांग्रेस अपनी खोई हुई 'सियासी जमीन' तलाश रही है और सपा उत्तर प्रदेश में अपना अस्तित्व बचाने के लिए 'हांफ' रही है।''

मौर्य ने दावा किया, ''जनता के बीच इन दोनों की पैठ इतनी कमज़ोर हो चुकी है कि अब न इनका कोई ठौर है, न ठिकाना।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे में इनके द्वारा सत्ता की बातें करना बिल्कुल वैसा है, जैसे कोई बिना पतवार की फूटी नाव पर बैठकर समंदर जीतने का मुगालता पाले।''

नीट और अन्य परीक्षाओं के फर्जी प्रश्न-पत्र बेचने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर/भाषा। बिहार पुलिस ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक (यूजी) समेत विभिन्न परीक्षाओं के फर्जी प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को बेचने के आरोप में मुजफ्फरपुर जिले से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हर्ष, अमन कुमार, कन्हैया कुमार और हर्ष कनोडिया के रूप में हुई है।

पुलिस ने चारों आरोपियों को शनिवार शाम गिरफ्तार कर उनके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए।

मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने रविवार को पत्रकारों को बताया, ''गिरफ्तार आरोपी एक ऐसे गिरोह का हिस्सा हैं, जो नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं के फर्जी प्रश्नपत्र बेचकर परेशान और चिंतित अभिभावकों को ठगता था। इसके लिए वे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल करते थे।'' उन्होंने बताया, ''इसी तरह के आरोप में दो जून को सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के बालू घाट इलाके से गिरफ्तार किए गए मनीष झा की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने शनिवार को उसके चार साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया।''

पुलिस के अनुसार, पूछताछ और आरोपियों के कथित कबूलनामे से पता चला कि वे सोशल मीडिया मंच के जरिए अभ्यर्थियों को यह दावा करके झांसे में लेते थे कि वे उन्हें परीक्षा के प्रश्नपत्र उपलब्ध करा सकते हैं।

अधिकारी ने बताया, ''आरोपी, लोगों से बैंक खातों में ऑनलाइन रुपए मंगवाते थे और बाद में यह रकम मनीष झा को पहुंचा देते थे।''

भारत की पहचान दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम वाले देश के रूप में हुई : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में काम किया गया है। मोदी ने कहा कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सरकार आगे भी ऐसी सभी पहल जारी रखेगी।

मोदी ने कहा कि सरकार को इस बात पर गर्व होता है कि ''भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के लिए जाना जाता है, जो समाज के सबसे जरूरतमंद लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती है।'' उन्होंने 'एक्स' पर कहा, पिछले 12 साल में भारत ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए लगातार काम किया है।

मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना जैसी योजनाओं ने दवाइयों, स्टेंट और घुटने के प्रतिरोपण को किफायती बनाया है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि साथ ही, अधिक संस्थानों और सीट की उपलब्धता के कारण मेडिकल शिक्षा लोगों की पहुंच में पहले की तुलना में अधिक सुलभ हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए हम अब तक हुई प्रगति को आगे बढ़ाते हुए लगातार काम करते रहेंगे।

केंद्र सरकार के नागरिक सहभागिता मंच 'माईगोव इंडिया' के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना किसी भी देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। 'माईगोव इंडिया' पर बताया गया, पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं ज्यादा लोगों तक, ज्यादा कुशलता से और कम खर्च में पहुंचाने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। आज देश का स्वास्थ्य देखभाल तंत्र नागरिकों के लिए अधिक सुलभ, अधिक लचीला और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार है। 'माईगोव इंडिया' के मुताबिक, एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल तंत्र की शुरुआत अधिक चिकित्सकों, बेहतर प्रशिक्षण और मेडिकल शिक्षा तक व्यापक पहुंच से होती है।

'माईगोव इंडिया' पर बताया गया, इन वर्षों में मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को अपने घर के पास ही मौके मिले हैं, यहां तक कि उन इलाकों में भी जहां पहले ऐसे संस्थान नहीं थे। इसका नतीजा यह है कि कुशल स्वास्थ्य देखभाल पेशवर की एक बड़ी संख्या तैयार हो रही है, जो एक स्वस्थ भारत की सेवा के लिए तैयार है।

सुविचार

कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। सफलता का रास्ता केवल पसीने की बूंदों से होकर गुजरता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सुधरेगी सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता?

बिहार सरकार ने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकारी शिक्षकों के कोचिंग और निजी ट्यूशन पढ़ाने पर रोक लगाने संबंधी जो फैसला लिया, वह सराहनीय है। अन्य राज्य सरकारों को भी ऐसा फैसला लेना चाहिए। सभी सरकारी शिक्षक कोचिंग और निजी ट्यूशन नहीं पढ़ाते, लेकिन कई शिक्षक ऐसा करते हैं। वे स्कूल में पूर्ण मनोयोग से अपना कर्तव्य नहीं निभाते हैं। जैसे ही स्कूल की छुट्टी होती है, वे अपनी दूसरी पारी की तैयारी में जुट जाते हैं। वहां दर्जनों बच्चे आते हैं और शिक्षक महोदय उनसे पूरा शुल्क वसूलते हैं। इस काम में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषय, जो अन्य विषयों से थोड़े मुश्किल माने जाते हैं, के शिक्षकों की भागीदारी ज्यादा देखने को मिलती है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि जो शिक्षक कोचिंग और निजी ट्यूशन पढ़ाते हैं, वे स्कूल में पढ़ाने में जान-बूझकर सुस्ती दिखाते हैं। जिस पाठ को समझाने में ज्यादा मेहनत करनी होती है, वे उसमें पर्याप्त ऊर्जा नहीं लगाते। उनकी यह सोच होती है कि 'यहां ज्यादा मेहनत करने से कोई फायदा नहीं है, क्योंकि सरकार वेतन तो उतना ही देगी।' यह सोच हजारों विद्यार्थियों के साथ घोर अन्याय है। साथ ही, अपने कर्तव्य के प्रति उदासीनता है। जो शिक्षक अपनी पूरी ऊर्जा कोचिंग और निजी ट्यूशन में खर्च कर देगा, वह स्कूल में क्या पढ़ाएगा? उसे स्कूल में पढ़ाने के लिए प्रेरणा कहां से मिलेगी? वह तो इस सोच के साथ अपने दिन की शुरुआत करेगा कि कोचिंग और निजी ट्यूशन का प्रचार हो, वहां ज्यादा से ज्यादा बच्चे आएं, भरपूर कमाई हो, स्कूल में पढ़ाई चौपट होती है तो होती रहे। आज सरकारी शिक्षकों का वेतन बहुत अच्छा है। अब यह तर्क नहीं दिया जा सकता कि 'सरकारी शिक्षकों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, लिहाजा अतिरिक्त कमाई के लिए कोचिंग और निजी ट्यूशन की छूट दे देनी चाहिए, क्योंकि ये वहां भी मेहनत करते हैं और बच्चों का भविष्य संवारते हैं।'

सरकारें स्कूलों की दशा सुधारने के लिए हर साल अरबों रुपए खर्च करती हैं। इसमें बड़ा खर्च सरकारी शिक्षकों के वेतन-भत्तों पर होता है। इसके बावजूद ये स्कूल वैसे नतीजे नहीं दे पा रहे हैं, जैसी इनसे उम्मीद की जाती है। बोर्ड परीक्षा के नतीजों में निजी स्कूलों का ही दबदबा रहता है, जबकि इन स्कूलों के शिक्षकों का वेतन सरकारी शिक्षकों के वेतन से काफी कम होता है। देश में ऐसे सरकारी स्कूलों की संख्या हजारों में है, जहां 20 से कम विद्यार्थी हैं। जबकि उनके आस-पास निजी स्कूलों में भीड़ उमड़ रही है। क्या इस मुद्दे पर बात नहीं करनी चाहिए? सरकारी स्कूलों के संचालन में कुछ गंभीर खामियां हैं, जिन्हें बड़े-बड़े अधिकारी और नेतागण दूर नहीं कर पा रहे हैं। वहां जवाबदेही की कमी स्पष्ट झलकती है। अगर देश के इतने संसाधन खर्च हो रहे हैं तो बेहतर नतीजे दिखने चाहिएं। इसके लिए जवाबदेही तय की जाए। सरकारी शिक्षकों के कोचिंग और निजी ट्यूशन पढ़ाने पर रोक लगाई जाए। जो शिक्षक इन गतिविधियों में लिप्त पाए जाएं, उन्हें चेतावनी दी जाए। अगर वे फिर भी न मानें तो नौकरी से बाहर कर दिए जाएं। पूरे देश में ऐसा नियम लागू किया जाए कि सरकारी शिक्षक अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा सरकारी स्कूल से ही दिलाएंगे। इस नियम के दायरे में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को भी लाया जाए। जो सरकारी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि ऐसा करने में आनाकानी करे, उसे पद से हटा दिया जाए। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सरकार को कुछ कड़े कदम उठाने होंगे। सिर्फ बजट बढ़ाने, बड़ी घोषणाएं कर देने से कुछ नहीं होगा। अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है तो हमें अपने सरकारी स्कूलों को अमेरिका और चीन के सरकारी स्कूलों से बेहतर बनाना होगा। जो सरकारी शिक्षक बहुत अच्छा पढ़ाते हैं, खूब मेहनत करते हैं, उन्हें सम्मानित करना चाहिए। ऐसे शिक्षक देश का भविष्य उज्ज्वल बनाते हैं।

ट्वीटर टॉक

बेंगलूरु में सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ रिप्रेजेंटेटिव मिस्टर जिग्मी त्सुल्ट्रिम का मेरे घर पर स्वागत करके खुशी हुई। उन्होंने परम पावन दलाई लामा और सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग की तरफ से मुझे हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

-डीके शिवकुमार

वर्ल्ड ब्लड डोनर डे पर दिल से बधाई। रक्तदान सबसे बड़ा दान है, और रक्तदाता समाज और मानवता के लिए अनमोल सेवक हैं। आइए हम सब आज यह शपथ लें कि रक्तदान करके, हम मानव जीवन को बचाने में अपना अहम योगदान देंगे।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

हमारा राजस्थान सांस्कृतिक गर्व और मॉडर्न विकास की एक नई गाथा लिख ङ्ङरहा है!ङ्ङआज, राजस्थान न सिर्फ़ अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व कर रहा है, बल्कि इन्वेस्टमेंट और रोज़गार में भी नए बेंचमार्क सेट कर रहा है। हमारा हर कदम राज्य की तरक्की के लिए डेडिकेटेड है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

लोकतंत्र की कसौटी

भारतीय अर्थशास्त्री जे.सी. कुमारप्पा उस समय भारत सरकार की एक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने के लिए जा रहे थे। वे घोड़ा-गाड़ी से यात्रा कर रहे थे। रास्ते में सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया क्योंकि जवाहरलाल नेहरू का काफिला गुजरने वाला था। कुमारप्पा ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि यदि लोकतंत्र में एक प्रधानमंत्री और एक सामान्य गाड़ीवान समान नागरिक हैं, तो सड़क पर रोक किसे लगनी चाहिएकमज़ोर को या शक्तिशाली को? बाद में जब उन्हें बताया गया कि सुरक्षा कारणों से तांगा हटाया गया था, तो उन्होंने उत्तर दिया कि सामान्य बुद्धि कहती है कि यदि कोई वाहन दूसरे के लिए खतरा है, तो प्रतिबंध खतरा पैदा करने वाले पर लगना चाहिए, न कि उस पर जो कमजोर है। यह केवल एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी नहीं थी; यह उनके पूरे आर्थिक और सामाजिक दर्शन का सार थानीतियां हमेशा सबसे कमजोर व्यक्ति के दृष्टिकोण से बननी चाहिए।

सामयिक

पाक अधिकृत कश्मीर में चुनाव को लेकर बवाल

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में क्षेत्रीय विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। ये चुनाव 27 जुलाई को होने हैं। चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) को शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं है। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध पर उतर आए हैं। इस विरोध के चलते अब तक 46 प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं, 200 से अधिक घायल हैं और करीब 1100 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस जोश और नाराजगी को दबाने के लिए पूंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्ध सैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है, क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है।

इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों का शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के कारण स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। संगठन लंबे समय से इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। इस मुद्दे के साथ-साथ आमजन बढ़ती महंगाई, गेंहूं और आटे की उपलब्धता में कमी, बिजली की दरों में वृद्धि, बेरोजगारी तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारों की मांग को भी आगे बढ़ा रहा है। दरअसल शरणार्थियों के लिए सीटें आरक्षित करने का मतलब, स्थानीय लोगों को जनप्रतिनिधित्व से बहिष्कृत करने का संवैधानिक उपाय पाकिस्तान ने मान लिया है। अतएव ये चुनावी फरेब पीओजेके पर अवैध कब्जे को वैध ठहराने का उपाय भर है। पाकिस्तान इस चुनाव के जरिए यह जताने का उपक्रम कर लेता है कि वह लोकतंत्र का पक्षधर होने के साथ भू-राजनीतिक शक्ति भी है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत को इस चुनावी हथकंडे को राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के परिदृश्य में इसे एक बड़े मुद्दे के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पेश करने के साथ हस्तक्षेप की मांग करने की जरूरत है। हालांकि पीओके में हुई हिंसा को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाक पर करारा हमला बोला है। कहा है कि पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी ठहराना चाहिए। पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठी खबरों और फर्जी वीडियो का सहारा ले रहा है। जबकि पीओजेके में आर्मी और पुलिस ने बर्बर कार्यवाही की है। हम उम्मीद करते है कि विश्व समुदाय पाक के इन कृत्यों के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा।

इसी बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों से ऐसी खबर आई है, जिसने आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक कूटनीति के दोहरे मानदंडों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन की एक साझा बौर बेहद महत्वाकांक्षी कोशिश को अमेरिका ने पूरी तरह से असफल कर दिया। इन दोनों देशों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिस पर अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के साथ मिलकर वीटो लगा दिया है। जबकि दिलचस्प बात है कि खुद अमेरिका ने 2019 में बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू फॉरेन टेररिस्ट आर्गेनाइजेशन सूची में शामिल किया था।

बावजूद वैश्विक मंच पर चीन और पाकिस्तान के इस साझा प्रस्ताव को अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रोका जाना एक बड़ा कूटनीतिक संदेश है। यह वही चीन है, जिसने अतीत में भारत और अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकियों को वैश्विक प्रतिबंधित आतंकवादी सूची में डालने से जुड़े कई प्रस्तावों पर वीटों लगा दिया था। सुरक्षा परिषद का यह घटनाक्रम संकेत देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सरहदों पर ही नहीं बल्कि बंद कमरों में भी कुटिल कूटनीति के लिए लड़ी जाती है। पीओजेके में वर्तमान नरसंहार को लेकर ब्रिटेन के 50 सांसदों ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदायों के समक्ष चिंता जताई है। भारत को पीओजेके में उभरे इस आंतरिक संकट और नरसंहार से सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि धूर्त पाकिस्तान इस ओट में अपनी पुरानी और नापाक चालें चलते हुए प्रशिक्षित आतंकियों की भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की चाल चल सकता है। हालांकि भारतीय खुफिया एजेंसी आईबी ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इस अराजकता और खून-खराबे की आड़ में नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ कराकर जम्मू-कष्मीर तथा भारत के अन्य नगरों में हिंसा व अशांति फैलाने की दृष्टि से आत्मघाती हमले करा सकती है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

पीओजेके की परिधि में आने वाले गिलगित-बाल्टिस्तान वास्तव में भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के हिस्सा हैं। बावजूद पाकिस्तान के नाजायज कब्जे में हैं। लेकिन यहां के नागरिकों ने इस बलात कब्जे को कभी नहीं स्वीकारा। यहां तभी से राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं और पाक सरकार इन लोगों पर दमन और अत्याचार का सिलसिला जारी रखे हुए है। साफ है, पाक की आजादी के साथ गिलगिट-बाल्टिस्तान का मुद्दा जुड़ा हुआ है। पाक की कुल भूमि का 40 फीसदी हिस्सा यहीं है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्ताल भी कहा जाता है। पाक और बलूचिस्तान के बीच संघर्ष 1945, 1958, 1962-63, 1973-77 में होता रहा है। 77 में पाक द्वारा दमन के बाद करीब 2 दशक तक यहां शांति रही। लेकिन 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर अवैध कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आए, इनमें प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है।

फिलहाल यहां 27 जुलाई को चुनाव होना है। लेकिन निर्वाचन की प्रक्रिया से गुजरने के बावजूद भी यहां की विधानसभा को अपने बूते कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं है। सारे फैसले एक परिषद लेती है, जिसके अध्यक्ष पाकिस्तान के पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। लिहाजा चुनाव के बावजूद भी यहां विद्रोह की आग सुलगी रहती है। यह आग उन सब इलाकों में सुलगी रहती है, जो शिया बहुल हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में शिया और अहमदिया मुस्लिमों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं। अहमदिया मुस्लिमों के साथ तो पाक के मुस्लिम समाज और हुकूमत ने भी ज्यादती बरती है। 1947 में उन्हें गैर मुस्लिम घोषित कर दिया गया था। तब से वे न केवल बेगाने हैं, बल्कि हिंदू, सिख व ईसाइयों की तरह मजहबी चरमपंथियों के निशाने पर भी रहते हैं। मई 2010 में लाहौर में एक साथ दो अहमदी मस्जिदों पर कातिलाना हमला बोलकर करीब एक सौ निरीह लोगों की हत्या कर दी गई थी।

इस क्षेत्र में चीन बड़ा निवेश कर रहा है। ग्वादर में एक बड़ा सा बंदरगाह बनाया है। चीन की एक और बड़ी योजना है, चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर इसकी लागत 3 लाख 51 हजार करोड़ है। यह गलियारा गिलगिट-बाल्टिस्तान से गुजर रहा है। इस गलियारे के निर्माण में लगे चीनी नागरिकों की आतंकी संगठन बीएलए हत्याएं कर रहा है। चूंकि यह क्षेत्र अधिकारिक रूप से भारत का है, इसलिए भारत भी इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है।

पाकिस्तान रणनीतिक रूप से गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवां प्रांत बना लेने की फिराक में लगा है। चूंकि यह क्षेत्र आधिकारिक रूप से भारत के जम्मू-कश्मीर प्रांत का हिस्सा है, इसलिए यहां कोई भी बदलाव कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन होगा। अतएव इन क्षेत्रों को पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त करना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति होना चाहिए। क्योंकि भारत के पास अपनी-अपनी स्थिति को मजबूती से रखने के लिए राजनीतिक कानूनी और संवैधानिक आधार मौजूद हैं। पाकिस्तान यहां सुन्नी मुसलमानों की संख्या बढ़ाकर इस पूरे क्षेत्र का जनसंख्यात्मक घनत्व बदलने के प्रयास में भी लगा है। इन कारणों के चलते यहां के मूल बलूचों की पाकिस्तान के प्रति जबरदस्त नाराजी है और वे निर्णायक लड़ाई लड़के भारत में विलय होने की कोशिश में लगे हैं।

नजरिया

ममता दीदी और उनकी मुश्किलें

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में साल 2026 एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उलटफेर के गवाह के रूप में दर्ज हो चुका है। लगातार 15 वर्षों तक राज्य की सत्ता पर एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस और उसकी सर्वोच्च नेता ममता बनर्जी आज अपने संपूर्ण राजनैतिक सफर के सबसे अंधकारमय और कठिन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने न केवल इस क्षेत्रीय दल को सत्ता के गलियारों से बेदखल कर दिया है, बल्कि ममता बनर्जी के अपराजेय होने के उस मिथक को भी हमेशा के लिए तोड़ दिया है जो पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की धरती पर कायम था। वर्ष 2011 में वामपंथ के 34 साल पुराने अभेद्य किले को ढहाकर सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने वाली ममता बनर्जी के लिए यह पराजय केवल एक चुनावी शिकस्त नहीं है। यह उनके द्वारा खड़े किए गए राजनैतिक साम्राज्य के बिखरने की एक शुरुआत जैसी प्रतीत हो रही है। सत्ता हाथ से फिसल जाने के बाद जो संकट अमूमन हर उस प्रांतीय दल के सामने आता है जिसकी कमान एक ही चेहरे के हाथ में हो, वह आज तृणमूल कांग्रेस के सामने बेहद आक्रामक और विनाशकारी रूप में आकर खड़ा हो गया है।

चुनावी नतीजों के आने के तुरंत बाद पार्टी के भीतर असंतोष का जो ज्वालामुखी पिछले कई महीनों से सुलग रहा था, वह अब पूरी तरह से फट चुका है। राजनैतिक हलकों और पार्टी के आंतरिक सूत्रों से आ रही प्रामाणिक खबरें यह साफ संकेत देती हैं कि वर्तमान समय में लगभग 50 विधायक और कई वरिष्ठ सांसद पूरी तरह से बगावती रुख अख्तियार कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस के 28 साल के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा और आत्मघाती आंतरिक संकट माना जा रहा है। सत्ता के जाते ही विधायकों और सांसदों का यह विशाल धड़ा पार्टी आलाकमान के हर फैसले पर खुलेआम उंगलियां उठा रहा है। कई ऐसे वरिष्ठ नेता जो कल तक मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और संकटमोचक हुआ करते थे, वे अब ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी नई राजनैतिक राह तलाश रहे हैं। सुदीप बंदोपाध्याय जैसे अत्यंत कद्दावर और पुराने नेताओं के बगावती सुरों ने इस संकट को और अधिक गहरा तथा संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि वे एक लंबे अरसे से देश की संसद में पार्टी के संसदीय दल के नेता के रूप में तृणमूल कांग्रेस का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। पार्टी के इस तीव्र बिखराव ने ममता बनर्जी की राजनैतिक प्राथमिकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है, क्योंकि एक विपक्षी नेता के रूप में जनता के बीच अपनी खोई हुई जमीन दोबारा तलाशने से पहले उन्हें अपने बिखरते हुए घर को संभालने की अत्यंत दुरूह चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

इन सब प्रशासनिक और संगठनात्मक कमजोरियों के अलावा, राज्य की कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और गहरे सामाजिक असंतोष ने भी ममता बनर्जी की वापसी की राह को बेहद पथरीला और दुर्गम बना दिया है। वर्ष 2024 में कोलकाता के आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के भीतर हुई अत्यंत दुखद और पूरे देश को झकझोर देने वाली घटना ने बंगाल की जनता के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया था।

इस बड़े विद्रोह और असंतोष के पीछे केवल सत्ता चले जाने की हताशा ही एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि पार्टी के भीतर समानांतर रूप से लंबे समय से चल रहा अंदरूनी सत्ता संघर्ष भी इसका मुख्य आधार है। यह गहरा वैचारिक और व्यावहारिक संघर्ष असल में पार्टी की पुरानी और नई पीढ़ी के बीच का है। एक तरफ ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली नई और युवा पीढ़ी है जो पार्टी के पूरे तंत्र को आधुनिक, तकनीकी और पूरी तरह से व्यावसायिक तरीके से संचालित करना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ वे पुराने, पारंपरिक और अनुभवी नेता हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करके इस पार्टी को खड़ा किया था। अभिषेक बनर्जी के निर्णय लेने के तौर तरीकों, टिकटों के बंटवारे में किए गए प्रयोगों और संगठनात्मक फेरबदल के फैसलों से ये पुराने नेता खुद को लंबे समय से उपेक्षित और हाशिए पर महसूस कर रहे थे।ममता बनर्जी की चौतरफा घिरती मुश्किलों की फेहरिस्त केवल आंतरिक बगावत और सत्ता के नुकसान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सिलसिलेवार ढंग से सामने आए भ्रष्टाचार के बड़े मामलों ने भी संगठन की नैतिक रीढ़ को पूरी तरह से तोड़ दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला, मवेशी तस्करी और सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली में हुई अरबों रुपये की गड़बड़ियों के संगीन आरोपों ने जमीनी स्तर पर आम जनता के बीच पार्टी की साख को बहुत गहरी चोट पहुंचाई थी। इन आपराधिक मामलों में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी शक्तिशाली केंद्रीय जांच एजेंसियों की निरंतर सक्रियता, ताबड़तोड़ छापेमारी और पार्टी के शीर्ष मंत्रियों सहित कई कद्दावर नेताओं की जेल यात्रा ने संगठन के मनोबल को भीतर से खोखला कर दिया था।

चुनावी समर के दौरान विपक्षी दलों ने इन घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों को जनता के बीच बहुत प्रभावी और आक्रामक तरीके से पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप तृणमूल कांग्रेस का वह पारंपरिक गरीब और मध्यमवर्गीय मतदाता भी उससे दूर चला गया जो कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। सत्ता की ढाल मौजूद रहते हुए इन जांच एजेंसियों के दबाव और कानूनी कार्रवाइयों को झेलना फिर भी मुमकिन था, परंतु अब विपक्ष के कमजोर आसन पर बैठने के बाद पार्टी के नेताओं के भीतर कानूनी शिकंजे का डर कई गुना बढ़ गया है, जिससे बचने के लिए वे सुरक्षित ठिकानों और नए राजनैतिक विकल्पों की शरण ले रहे हैं।

इन सब प्रशासनिक और संगठनात्मक कमजोरियों के अलावा, राज्य की कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और गहरे सामाजिक असंतोष ने भी ममता बनर्जी की वापसी की राह को बेहद पथरीला और दुर्गम बना दिया है। वर्ष 2024 में कोलकाता के आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के भीतर हुई अत्यंत दुखद और पूरे देश को झकझोर देने वाली घटना ने बंगाल की जनता के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया था। इस अमानवीय घटना के बाद भड़के अभूतपूर्व जन आक्रोश, हफ्तों तक चले नागरिक समाज के आंदोलनों और विशेषकर महिला चिकित्सकों व युवाओं के लगातार विरोध प्रदर्शनों ने तत्कालीन सरकार की प्रशासनिक संवेदनशीलता और पुलिसिया तंत्र की निष्पक्षता पर बहुत गंभीर सवालिया निशान खड़े किए थे। पश्चिम बंगाल के राजनैतिक इतिहास में आधी आबादी यानी महिलाएं हमेशा से ममता बनर्जी की सबसे अटूट ढाल और मूक मतदाता रही हैं, लेकिन इस विशिष्ट घटना और उसके बाद के घटनाक्रमों ने महिला मतदाताओं के एक बहुत बड़े और जागरूक वर्ग को तृणमूल कांग्रेस से पूरी तरह से विमुख कर दिया। सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ इस गहरे और सुलगते हुए सामाजिक गुस्से ने 2026 के विधानसभा चुनावों में एक अत्यंत निर्णायक भूमिका निभाई और पार्टी को पराजय के गर्त में धकेल दिया।

अंततः, तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के सामने आज एक ऐसा अभूतपूर्व संकट खड़ा है जहां उन्हें अपनी राजनैतिक यात्रा को फिर से शून्य से शुरू करना पड़ रहा है। बिना सरकारी सत्ता और संसाधनों के इतने बड़े संगठन को आर्थिक तथा मानसिक रूप से जीवित रखना, केंद्रीय जांच एजेंसियों के मुकदमों का कानूनी सामना करना और इसके साथ ही अपने 50 बागी विधायकों और सांसदों को बिखरने से रोकना ममता बनर्जी के चार दशक लंबे राजनैतिक जीवन की सबसे कठिन और अग्निपरीक्षा जैसी चुनौती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक पूरी तरह से नए युग में प्रवेश कर चुकी है जहां भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य की सत्ता पर काबिज होकर अपनी नीतियां लागू कर रही है। ऐसे विपरीत और अशांत माहौल में ममता बनर्जी के लिए अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखना, संगठनात्मक बिखराव की इस तेज आंधी को रोकना और अपने बचे हुए कार्यकर्ताओं में दोबारा जोश भरना एक ऐसा असाध्य कार्य बन गया है जिसकी मुश्किलें निकट भविष्य में कम होने का नाम नहीं ले रहीं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पर्यावरण पर पहले संरा सम्मेलन में इंदिरा गांधी का ऐतिहासिक भाषण मील का पत्थर है : जयराम रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 1972 में मानव पर्यावरण पर आयोजित पहले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के ''ऐतिहासिक'' संबोधन को याद करते हुए रविवार को कहा कि इसे पर्यावरण पर वैश्विक विमर्श के चार मील के पत्थरों में से एक माना जाता है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने कहा कि आज से 54 वर्ष पहले इंदिरा गांधी ने मानव पर्यावरण पर पहले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में वास्तव में ऐतिहासिक और संभवतः सबसे यादगार भाषण दिया था। यह सम्मेलन पांच जून 1972 को स्टॉकहोम में शुरू हुआ था, जिसे विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि उस अवसर पर भाषण देने वाले केवल दो राष्ट्राध्यक्ष थे – एक इंदिरा गांधी और दूसरे मेजबान देश के प्रधानमंत्री। उन्होंने कहा, ''इंदिरा गांधी का भाषण पर्यावरण पर वैश्विक विमर्श के चार मील के पत्थरों में से एक माना जाता है। अन्य तीन हैं– 1962 में रचेल कार्सन के साइलेंट स्प्रिंग का प्रकाशन, 1968 में एहर्लिच का 'द पॉपुलेशन बम' का प्रकाशन और 1972 की शुरुआत में रोम के एमआईटी/क्लब का 'द लिमिट्स ऑफ ग्रोथ' का प्रकाशन।'' उन्होंने कहा कि यह भाषण आज भी दुनिया भर में याद किया जाता है, उद्धृत किया जाता है और प्रकाशित होता है।

रमेश ने कहा कि भाषण का समापन इंदिरा गांधी ने अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त के 35वें श्लोक का उल्लेख करते हुए किया था, जिसका भावार्थ है ''मैं पृथ्वी से जो कुछ निकालूं, वह शीघ्र पुनः उत्पन्न हो जाए; मैं उसके मर्मस्थल या हृदय को आघात न पहुंचाऊं।'' उन्होंने कहा कि कम लोगों को यह जानकारी है कि सम्मेलन में वितरित इंदिरा गांधी के भाषण में सम्राट अशोक के प्रमुख स्तंभ अभिलेख का पूरा पाठ भी शामिल था, जिसे दुनिया में किसी शासक द्वारा जारी पहली पर्यावरणीय घोषणा माना जा सकता है। रमेश ने बताया कि उस समय वियतनाम युद्ध अपने चरम पर था और ऐसे में इंदिरा गांधी ने अशोक के उस शिलालेख का भी उल्लेख किया था, जिसमें उन्होंने अपने सैन्य विजय अभियानों से हुए नरसंहार पर गहरा पश्चाताप व्यक्त किया था। उन्होंने कहा, ''इंदिरा गांधी ने वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में युद्ध के कारण हो रही पर्यावरणीय तबाही की ओर दुनिया का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया था।''

रमेश ने यह भी कहा कि स्टॉकहोम सम्मेलन में वितरित भाषण की प्रति, जिसमें ये अशोक अभिलेख शामिल थे, बाद में प्रकाशित अधिकांश संस्करणों और यहां तक कि प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी के आधिकारिक भाषण-संग्रहों में भी शामिल नहीं की गई। उन्होंने इस भाषण के मूल पाठ का लिंक भी साझा किया।

योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के मद्देनजर रविवार को जबलपुर में एक स्विमिंग पूल के भीतर योग का अभ्यास करते छात्र।

'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अजय देवगन की लोकप्रिय कॉमेडी बहुप्रतीक्षित फिल्म धमाल-4 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज कर दिया गया है। 'धमाल' फ्रेंचाइजी की तरह यह फिल्म भी खजाने की खोज पर आधारित है। अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जब खजाने की बात होती है तो ये लोग ऐसी स्थिति में अपने आप आगे आ जाते हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह गैंग अपनी जिंदगी की सबसे बड़े खजाने की खोज में दोबारा साथ आया है। उम्मीद के मुताबिक, उनका यह सफर मजेदार गड़बड़ियों, नए ट्विस्ट और बड़ी मुसीबतों से भरा है। अब देखना यह है कि इन सब मुश्किलों को पार करके आखिरकार खजाना किसके हाथ लगता है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही 'धमाल 4' में फ्रैंचाइजी का सिग्नेचर अंदाज देखने को मिलेगा, जिसमें स्लैपस्टिक ह्यूमर, खजाने की खोज और जबरदस्त कॉमेडी वाले हालात शामिल होंगे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स के सहयोग से टी-सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनी फिल्म 'धमाल 4' प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है।

इस फिल्म को अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।हालांकि पहले फिल्म ईद के अवसर पर ही रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने कुछ वजह से इसकी रिलीज में बदलाव किया है, जिसका कारण फैंस यश अभिनीत 'टॉक्सिक' बता रहे थे। हर उम्र के दर्शकों के लिए हंसी-मजाक से भरपूर फिल्म 'धमाल 4' में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी।

ब्रिटेन ने रूस के गुप्त बेड़े से जुड़े प्रतिबंधित तेल टैंकर को कब्जे में लिया

लंदन/एपी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन एक प्रतिबंधित टैंकर की जांच कर रहा है, जिसके बारे में संदेह है कि वह रूस के तथाकथित ''गुप्त बेड़े'' (शैडो फ्लीट) का हिस्सा है और यूक्रेन युद्ध को लेकर मॉस्को पर लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए तेल की ढुलाई कर रहा था।

ब्रिटिश सशस्त्र बलों ने रविवार को इंग्लिश चैनल में 'स्मिर्टोस' नामक जहाज पर चढ़ाई कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने इसे ''ब्रिटेन के नेतृत्व में इस तरह का पहला अभियान'' बताया है।

रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, जांच पूरी होने तक इस जहाज को इंग्लैंड के दक्षिणी तट के पास रोका जाएगा और उस पर निगरानी रखी जाएगी। यह अभियान फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ ''घनिष्ठ समन्वय'' में चलाया गया। फ्रांस पहले भी रूस के गुप्त बेड़े से जुड़े कई जहाजों को रोक चुका है।

माना जाता है कि रूस, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के कारण लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए सैकड़ों जहाजों वाले एक गुप्त बेड़े का उपयोग कर रहा है।

स्टार्मर ने कहा, ''यह अभियान रूस के लिए एक और बड़ा झटका है और यूक्रेन में (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन के युद्ध को ईंधन देने वालों को यह याद दिलाता है कि वे छिप नहीं सकते।''

ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के अभियान यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता को बनाए रखने वाले संसाधनों पर सीधे प्रहार कर रहे हैं और यूरोप तथा अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने की उसकी क्षमता को कम कर रहे हैं।

दीया मिर्जा, ताहिरा कश्यप ने इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आउंगा' की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री दिया मिर्जा और लेखिका-निर्देशक ताहिरा कश्यप ने फिल्मकार इम्तियाज अली की नई फिल्म 'मैं वापस आउंगा' की सराहना करते हुए इसे एक ''सशक्त सिनेमाई अनुभव'' बताया है।

फिल्म 'मैं वापस आउंगा' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उसमें अभिनेता दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

यह दशकों तक फैली एक प्रेम कथा है, जो ऐसे प्रेम की यादों के माध्यम से अतीत और वर्तमान को जोड़ती है जिसे समय भी मिटा नहीं सका। इसकी कहानी विभाजन-कालीन पलायन की पृष्ठभूमि में रची गई है।

मिर्जा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म और इसकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह लंबे समय बाद देखी गई सबसे मार्मिक, प्रभावशाली और शक्तिशाली प्रेम कहानियों में से एक है। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह के अभिनय की विशेष प्रशंसा की और कहा कि दिलजीत, वेदांग तथा शरवरी ने हर पल को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा है।

कश्यप ने भी सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि यदि प्रेम की कोई भाषा होती तो वह यह फिल्म होती। उन्होंने कहा कि फिल्म का हर दृश्य जीवंत महसूस होता है और इसे देखते समय भावनाएं लगातार उमड़ती रहती हैं। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह, दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी के अभिनय की सराहना की।

कश्यप ने संगीतकार ए आर रहमान के संगीत को फिल्म की आत्मा बताते हुए कहा कि यह प्रेम, यौवन, रोमांस और विरह की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से उभारता है।

फिल्म का निर्माण 'बिरला स्टूडियोज' और 'अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट' ने 'विंडो सीट फिल्म्स' के सहयोग से किया है।

बातचीत

वाराणसी में दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत चल रहे ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान स्थानीय निवासियों से बातचीत करते अधिकारी।

चाहे शिक्षा हो या कोई हुनर, उसे कभी न छोड़ें : पूनम ढिल्लों

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर राजीव खंडेलवाल के टेलीविजन शो 'तुम हो न : घर की सुपरस्टार' के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री पूनम ढिल्लों नजर आएंगी। शो के दौरान अभिनेत्री ने मां बनने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि कई जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की परवरिश करना महिलाओं के लिए कितना चुनौतीपूर्ण होता है। अभिनेत्री ने बताया, ज्यादातर औरतें बच्चों को अकेले ही बड़ा करती हैं। मैंने अक्सर ऐसा देखा है। चाहे वे शादीशुदा हों या संयुक्त परिवार में रहती हों, हर मां पूरे दिल और हिम्मत के साथ अपने बच्चों की जिम्मेदारी खुद उठाती है। अभिनेत्री ने बताया, लेकिन, मेरे मामले में, तो कुछ हद तक मैं सिंगल पेरेंट थी। हालांकि, आर्थिक मदद तो मिलती थी, लेकिन कभी भी आपको काम की जरूरत पड़ सकती है। इस पर आपकी इज्जत भी निर्भर करती है कि आप खुद को कितना काबिल बना सकती हैं और जैसा कि आपने कहा, शिक्षा हो या कोई हुनर, उसे कभी न छोड़ें। क्योंकि वही आपको मजबूत बनाता है और अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत देता है।

अभिनेत्री ने बातचीत में आगे बताया कि कैसे उन्होंने सोच-समझकर कुछ ऐसे फैसले लिए ताकि बच्चों को कभी भी बुरा महसूस न हो। उन्होंने कहा, मैंने अपने बच्चों के लिए कुछ समय तक काम से दूरी बना ली थी। घर में छोटे-छोटे बच्चे थे और उनको घर पर छोड़ने के लिए मेरे पास माता-पिता भी नहीं थे।

कई साल तक ब्रेक लेने के बाद मैंने टीवी में काम किया कि आउटडोर शूट कम होंगे और ये शर्त भी रखी थी कि सीमित घंटे ही काम करूंगी, क्योंकि मेरा बेटा सिर्फ डेढ़ साल का था।अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बच्चों के शेड्यूल के हिसाब से काम की योजनाएं बनाई थीं।

उन्होंने कहा, सुबह बच्चों को अच्छे से स्कूल भेजती थी। फिर, उनके आने के बाद सीधा सेट पर आ जाती थी। होमवर्क भी सेट पर कराती थी। ऐसी बहुत सी चीजें हमने मैनेज की।'' पूनम ने आगे कहा, एक तो, माता-पिता के तौर पर हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि कुछ भी नामुमकिन है और एक मां के तौर पर हमें यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अगर हम काम करेंगे तो बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। हमें एक बैलेंस बनाना पड़ता है। जो लोग माताओं को नौकरी पर रखते हैं, उनसे मैं कहना चाहूंगी कि प्लीज थोड़ा समझदारी और सहानुभूति दिखाएं। सिर्फ यह न सोचें कि वे आपके यहां नौकरी करती हैं। वे एक औरत हैं, जिनकी कई जिम्मेदारियां होती हैं।

12 शॉर्ट फिल्मों और 2 स्टिल शूट के बाद अमिताभ बच्चन बोले-काम तो काम है

मुंबई/एजेन्सी

महानायक अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग पूरी की, दो स्टिल फोटोशूट किए और इसके बाद अपने प्रशंसकों के लिए ब्लॉग भी लिखा। यह जानकारी उन्होंने स्वयं दी। अमिताभ अपने फैंस को प्यार से अपना एक्सटेंडेड फैमिली (ईएफ) कहते हैं। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में लिखा कि काम ही काम है और लोगों से जुड़े रहने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम तो काम है ... काम तो काम है ... काम तो काम है... !!! आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं, 2 स्टिल शूट किए और अब आप लोगों के लिए काम कर रहा हूं। बिना किसी देरी के जुड़े रहने का यह सिलसिला ही आज का काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। यह नहीं रुकना चाहिए।ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए तथा परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए।उन्होंने लिखा, पूरी लगन से अध्ययन करना चाहिए। काम वाले दिन से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए और परिस्थितियों या हालात से कभी समझौता नहीं करना चाहिए चाहे एयर कंडीशंड पायजामा ही क्यों न पहन रखा हो।

अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक साइंस-फिक्शन फिल्म में प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का पहला भाग वर्ष 2898 एडी एक डिस्टोपियन भविष्य पर आधारित था, जिसमें काशी शहर की पृष्ठभूमि में एक समूह एसयूएम-80 के अजन्मे बच्चे की रक्षा करने के मिशन पर निकलता है, जिसे भगवान विष्णु के अंतिम अवतार 'कल्कि' के रूप में माना जाता है। अमिताभ बच्चन आखिरी बार निर्देशक टी.जे. ज्ञानवेल की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे। इस फिल्म में रजनीकांत, फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश थिलक भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म की कहानी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मुठभेड़ के दौरान गलती से एक निर्दोष व्यक्ति को गोली मार देता है। इसके बाद वह एक शिक्षक की हत्या की जांच में जुट जाता है।

सफलता का सफर आसान नहीं था, हर चुनौती ने मुझे मजबूत बनाया : सुम्बुल तौकीर

मुंबई/एजेन्सी

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी। आईएएनएस से बातचीत में सुम्बुल ने बताया कि उनका सपना हमेशा से अभिनेत्री बनने का था। हालांकि, मनोरंजन जगत में उनकी शुरुआत डांस रियलिटी शो के जरिए हुई, लेकिन उनका लक्ष्य कैमरे के सामने अभिनय करना था। उन्होंने कहा कि खुशी है कि समय के साथ उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिला।सुम्बुल ने बताया, मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ,

लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। मैंने अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभव देखे हैं, लेकिन इन्हीं अनुभवों ने मुझे मजबूत बनाया और आगे बढ़ने का हौसला दिया।अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं। वहीं, खलनायक की भूमिका निभाने वाले कलाकारों को कई बार नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।

दीया मिर्जा की 'पन्हा' की स्क्रीनिंग में भावुक हुए दर्शक, शबाना आजमी संग पहुंची अभिनेत्री

मुंबई/एजेन्सी

दीया मिर्जा की समर्थित/निर्मित मराठी शॉर्ट फिल्म 'पन्हा' पर्दे पर प्रदर्शित हो रही है। यह महाराष्ट्र के आम के बागों में रहने वाले आम किसानों के एक परिवार की मार्मिक कहानी है। शुक्रवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में फिल्म की पूरी टीम और कुछ खास दर्शक शामिल नजर आए।

इस स्क्रीनिंग में अभिनेत्री के साथ उनके प्रिय मित्र शबाना आजमी भी वहां पहुंची थीं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, पिछले हफ्ते 'पन्हा' की स्क्रीनिंग जीएफए में हुई, जहां सिनेमा, बातचीत और जुड़ाव से भरी एक खूबसूरत शाम देखने को मिली। ये फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। इस फिल्म को वन इंडिया स्टोरीज ने प्रोड्यूस किया है, जिसे मैंने अपनी बचपन की दोस्त अनन्या राणे के साथ मिलकर शुरू किया था।

अभिनेत्री ने फिल्म के बारे में बताया, इस फिल्म की शुरुआत हमारे इस विश्वास से हुई कि कहानियां लोगों को दुनिया को बेहतर तरीके से समझने और उनमें संवेदनशीलता, जागरूकता और बदलाव की भावना पैदा करने में मदद करती है। विकास और विस्थापन की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म पन्हा एक बच्चे की नजर से खेती करने वाले समुदायों पर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के असर को दिखाती है। यह घर, अपनापन, यादों और उन आवाजों की कहानी है जो अक्सर विकास और नुकसान के बीच कहीं दब जाती हैं।

उन्होंने लिखा, हमारी फिल्म 'पन्हा' को दर्शकों का प्यार मिलता देखना और उसके बाद हुई सार्थक बातचीत इस शाम को और भी खास बना गई। साक्षी, हमें तुम पर बहुत गर्व है। इस खूबसूरत शाम की कुछ झलकियां साझा कर रही हूं और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इसे संभव बनाया। हमारे पार्टनर्स का भी दिल से धन्यवाद, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर भरोसा किया और साथ दिया और पन्हा की शुरुआत से लेकर स्क्रीनिंग तक साथ देने वाले हर व्यक्ति का शुक्रिया। आपका सहयोग, हौसला और समर्थन ही इस पल को संभव बना पाया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन

पर्यावरण ही मनुष्य जीवन का आधार है : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ महिला मंडल, चेन्नई द्वारा पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका विषय पर एक प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन ट्रिप्लीकेन स्थित तेरापंथ भवन में किया गया। यह कार्यक्रम आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य डॉ. मुनि श्री पुलकित कुमार जी के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

अपने मंगल प्रवचन में डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि प्रकृति के निकट रहने से मनुष्य को प्रसन्नता, शांति एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना अधूरी है। प्रकृति मानसिक एवं शारीरिक थकान को दूर कर जीवन में नवीन ऊर्जा का संचार करती है। मुनिश्री ने जैन दर्शन के अहिंसा, अपरिग्रह, ऊनोदरी, अनशन एवं प्रायश्चित जैसे सिद्धांतों को पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि जैन जीवन-पद्धति स्वयं में पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जैन दर्शन को अपने जीवन में उतार लेता है, वह कभी भी पर्यावरण को क्षति नहीं पहुँचा सकता। पाँच महाव्रती साधु-साध्वियों का संयमित जीवन इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुनिश्री ने आगामी चातुर्मास में आयोजित होने वाले जपोत्सव, तपोत्सव एवं संयमोत्सव से अधिकाधिक श्रावक-श्राविकाओं को जुड़ने का आह्वान किया। उनकी प्रेरणा से उपस्थित महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। मुनि नचिकेता कुमार एवं मुनि आदित्य कुमारजी ने भी अपने प्रेरक विचारों के माध्यम से महिलाओं को दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने की प्रेरणा प्रदान की।

कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष हेमलता नाहर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। मुख्य वक्ता दीपा पारख ने व्यावहारिक जीवन में पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संयमित एवं संतुलित जीवनशैली को पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम बताया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन मंत्री वंदना पगारिया ने किया। तेरापंथ ट्रस्ट, ट्रिप्लीकेन के उपाध्यक्ष विजयराज गेलड़ा ने मुनिवृंद के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए ज्यादा से ज्यादा प्रवास करने के लिए निवेदन किया तथा विमल चिपड़ एवं गौतम सेठिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

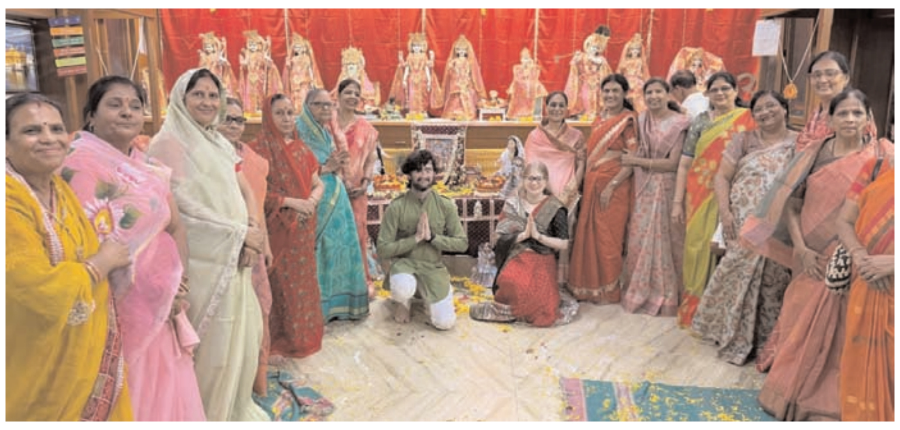

अधिक मास पर विशेष सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के तत्वावधान में इस रविवार की विशेष अधिक मास सत्संग साहुकारपेट के सिंधी धर्मशाला धर्मशाला के प्रांगण में हुआ। इसमें सबसे पहले गणेश वंदना गुरु वंदना और मां सरस्वती वंदना के बाद से अमृतवाणी का पाठ और भजन हुए सभी भक्तों पर फूलों की वर्षा की गई। अधिक मास अमृतवाणी की विशेष सत्संग हमारे मंडल के सत्संग प्रेमी राजेंद्र भट्टड़ के पूरे परिवार द्वारा सत्संग में महाप्रसादी की व्यवस्था की गई प्रसादी सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में रखी। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, मैलापुर द्वारा आज 89वें अमावस्या अन्नदानम् सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। अन्नदान कार्यक्रम में 700 से अधिक व्यक्तियों को भोजन वितरित किया गया। संघ के सदस्य अशोक चोरड़िया, दिलीप राखा, अशोक कटारिया, सिद्धार्थ रूनवाल, कुशल कर्नावत, श्रीनिवासन, अमृत बहादुर ने भोजन वितरण में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष शांति चोरड़िया ने प्रदान की।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में भगवान महावीर गौशाला में रविवार को कोयम्बटूर श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा 1200 से अधिक पशुओं को रोटी, गुड़, फल फ्रूट, चारा आदि देकर गौसेवा की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में खरतरगच्छ युवक परिषद और महिला परिषद और दानादाताओं का सहयोग रहा।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

'अहंकार के ज़हर को त्यागे' विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को साहूकारपेट के बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने अहंकार के ज़हर को त्यागे विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा करते हुए कहा कि आचार्य हीराचन्द्र म.सा ने प्रवचन में कहा कि चार विषयों में से अहंकार सबसे बड़ा जहर हैं। अहंकार वृत्ति भाई को भाई से अलग कर देती हैं। पिता और पुत्र के प्रेम को समाप्त कर देती है। इस कषाय के कारण व्यक्ति दुनिया को अमृत का पान कराने वाले संतों के प्रति भी घृणा व नफरत करता है। स्वाध्यायी बन्धुवर ने उतराध्ययन, दशवैकालिक सूत्र व आवश्यक सूत्र में वर्णित गाथाओं का उल्लेख करते हुए वाराणसी के राजा की पुत्री भद्रा की जीवन गाथा व अर्जुनमाली व संत भगवानदास की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश करते हुए कहा कि संयमी के जीवन में संयम और तप एवं श्रावक के जीवन में दान और शील होना चाहिए। इन गुणों से जीवन ऊपर उठता है। श्रावक जैन सिद्धान्तों के गहरे जानकर बने व संतो के संयम और ज्ञानवृद्धि में सहायक बने। ज्ञान इहभविक भी होता हैं और परभविक भी होता है। हम अपना श्रम और समय जैनसिद्धांत की जानकारी के अर्जन में दे, जिससे हमारा भविष्य उज्ज्वल व मंगलमय बने।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु से आर नरेन्द्र कांकरिया ने जीवन संकल्प सूत्र व मनोरथ चिन्तन करते हुए स्वाध्याय सेवा प्रदान करने हेतु स्वाध्यायी बन्धुवर व स्वाध्यायीगण को साधुवाद ज्ञापित किया।

मनुष्य स्वयं एक चलता-फिरता चमत्कार है, उसमें भगवान बनने की क्षमता निहित है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में भीडभंजन पार्श्वनाथ जिनालय में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा के निमित्त महोत्सव का शुभारंभ रविवार को हुआ। प्रातःकाल आचार्यद्वय कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. का मंगल प्रवेश एवं दीपक, कुंभस्थापना और ज्वारारोपण कार्यक्रम संपन्न हुए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने कहा कि मनुष्य तो स्वयं एक चलता-फिरता महान चमत्कार है। संसार में ऐसा कोई भी प्राणी नहीं है जो मनुष्य का मुकाबला कर सके। मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ और अनमोल है, क्योंकि इसी जन्म में आत्मा अपनी सर्वोच्च आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकती है। उन्होंने मनुष्य जन्म की महानता को सिद्ध करते हुए दो अद्भुत संभावनाएं बताई। पहली, मनुष्य स्वयं भगवान बन सकता है और दूसरी, वह भगवान का बन सकता है। दोनों ही मार्ग आत्मकल्याण और मोक्ष की ओर ले जाने वाले हैं।

आचार्यश्री ने कहा कि भगवान की भक्ति तो सभी करते हैं, किंतु भगवान की सेवा में लगे पुजारियों, सेवकों और भक्तों की सेवा और सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यदि प्रभु से सच्चा संबंध बनाना है तो भक्ति केवल भगवान की नहीं, बल्कि उनके भक्तों और सेवकों के प्रति सम्मान के रूप में भी प्रकट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का महत्व उसके बाहरी आकार या पद से नहीं, बल्कि उसके गुणों और मूल्य से आंका जाता है। भगवान बनने की तीसरी सीढ़ी बताते हुए आचार्यश्री ने कहा कि प्रभु को जो पसंद है, वही करो। जिनकी भक्ति करते हैं, उनकी आज्ञा और इच्छा के अनुरूप जीवन जीना ही सबसे बड़ी भक्ति है। प्रवचन के अंत में आचार्यश्री ने आचार्यश्री हीरचंद्रजी महाराज साहब के प्रति अपने आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका साथ बचपन से रहा है और उनके जीवन के अनेक प्रेरक प्रसंग साधना, सेवा और समर्पण की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत करते हैं।

विजयवाड़ा आध्यात्मिक यात्रा और जीव दया कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा/चेन्नई। जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा तमिलनाडु द्वारा विजयवाड़ा स्थित पावन हिंकार तीर्थ की एक भव्य एवं आध्यात्मिक यात्रा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस यात्रा में युवा सदस्य एवं परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यात्रा का शुभारंभ चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से हुआ। तीर्थस्थल पहुँचने पर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन, भक्ति, सामायिक, एवं आध्यात्मिक चिंतन का लाभ लिया। हिंकार तीर्थ की दिव्य एवं शांतिमय वातावरण ने सभी यात्रियों को आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा तमिलनाडु द्वारा 100वें जीव दया कार्यक्रम का भी सफल आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम जीव मात्र के प्रति करुणा, सेवा और अहिंसा के जैन सिद्धांतों को समर्पित रहा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के माध्यम से संगठन ने जीव दया के क्षेत्र में अपनी सतत सेवाओं का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पूर्ण किया।

यात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने महावीर गौशाला का भ्रमण किया तथा जीव दया की भावना को साकार करते हुए गौमाता की सेवा हेतु दो दिनों के हरे चारे (घास) का प्रायोजन किया। यह सेवा कार्य सभी यात्रियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं पुण्यदायी रहा तथा जीवों के प्रति करुणा एवं सेवा के संदेश को और अधिक सशक्त बनाया। यह यात्रा केवल तीर्थ दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द एवं एकता को भी सुदृढ़ करने का माध्यम बनी। सभी यात्रियों ने इस अविस्मरणीय अनुभव के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी समाज द्वारा सेवा पर्व पर विशाल रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को माहेश्वरी सभा एवं मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में, मिस्टर-मिसेज क्लब के सहयोग तथा अपोलो हॉस्पिटल, चेन्नई के सौजन्य से शिवोहम-महेश नवमी 2026 के अंतर्गत आयोजित विशाल रक्तदान शिविर अत्यंत उत्साह, सेवा भावना एवं सामाजिक समर्पण के वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। महेश नवमी के पावन अवसर पर आयोजित इस सेवा अभियान में समाज के सैकड़ों सदस्य, युवा, महिलाएं एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए तथा रक्तदान कर मानवता की सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपोलो हॉस्पिटल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपोलो हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम द्वारा रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा पूर्ण चिकित्सकीय देखरेख में रक्त संग्रह की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। शिविर में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने अपने संबोधन में कहा कि माहेश्वरी समाज केवल सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में भी सदैव अग्रणी रहा है। महेश नवमी का पर्व हमें भगवान महेश के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है और रक्तदान जैसे सेवा कार्य उन्हीं आदर्शों का वास्तविक अनुसरण हैं। उन्होंने रक्तदाताओं एवं आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक रक्तदाता किसी अनजान व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करता है और यही सच्ची मानव सेवा है।

शिवोहम चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने कहा कि शिवोहम - महेश नवमी 2026 का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि समाज को सेवा, संस्कार एवं सामाजिक दायित्वों से जोड़ना है। रक्तदान शिविर इसी सोच का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और समय पर उपलब्ध रक्त किसी भी मरीज को नया जीवन प्रदान कर सकता है। समाज के सदस्यों द्वारा दिखाया गया उत्साह इस बात का प्रमाण है कि माहेश्वरी समाज सेवा के प्रत्येक कार्य में सदैव अग्रणी रहेगा।

रक्तदान शिविर के संयोजक हरीश सारड़ा ने बताया कि समाज के सदस्यों में रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। इस आयोजन में मिस्टर-मिसेज क्लब, माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी युवा मंडल, माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट सहित समाज की विभिन्न इकाइयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी संगठनों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं अपोलो हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के प्रिंस रत्नपुरी गार्डन रेजीडेंसी वालटैक्स रोड परिसर निर्मित श्री पद्मनाभ स्वामी जिनालय निर्माता अक्षयकुमार जैन द्वारा प्रतिष्ठा महोत्सव निमित्त रविवार को जिनालय के भूमि शुद्धि विधान एवं मूलनायक परमात्मा के नामकरण दाता गच्छाधिपति आचार्य भगवंतश्रीमद विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी को समारोह की पत्रिका प्रेषित की गई। यह जानकारी प्रतिष्ठा महोत्सव समिति सदस्य संघवी हीराचंद कांकरिया द्वारा दी गई।

जैन संघ सैदापेट द्वारा मासिक मास्टर हेल्थ कैंप का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन संघ सैदापेट द्वारा मासिक मास्टर हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें पचास से अधिक लोगों ने इसका लाभ उठाया। इस दौरान संघ द्वारा वाटर बूथ जो आम जनता के लिए पंद्रह साल से जल सेवा प्रदान करती आयी उसका पुनर्निर्माण किया गया और नया वाटर कूलर लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सैदापेट स्थानक में विराजित पूज्य गुरुदेव राजेश मुनि म. सा. श्रमण सेवाभावी ऋषभ मुनिजी म. सा. के मंगल पाठ से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व स्वास्थ मंत्री मा.सुब्रमण्यम और पार्षद कृष्णमूर्ति का स्वागत संघ के मार्गदर्शक गौतमचंद लोढ़ा ने किया। संघ के अध्यक्ष कमल चंद छाजेड और संघ के सचिव हरीश चोरड़िया ने मुख्य अतिथि को शाल और माला ओढ़ाकर सम्मान किया। कोषाध्यक्ष अरुण लोढ़ा ने मेडिकल क्लिनिक और वाटर बूथ की सारी व्यवस्था के बारे मेंअतिथियों को जानकारी दी। मा. सुब्रमण्यम ने वाटर बूथ का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में जुगराज मेडिकल सेंटर स्वास्थ सेवा और वाटर बूथ जल सेवा की सराहना की। इस अवसर पर वाटर कूलर के डोनर शांतिदेवी हरकचंद छाजेड परिवार उपस्थित रहे। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बोथरा, पदम छाजेड, राजेंद्र लुंकड़, अशोक सिंघवी, अशोक मुथा, सुरेशमुथा आबू सिंघवी, उमेद बोकड़िया, दिलीप कांकरिया, प्रदीप गेलढ़ा, दीपक बेताला, विनोद जामड, दिनेश बोकड़िया ,विमल सुराणा और सुरेश छाजेड उपस्थित रहे। मेडिकल चेयरमैन दीपक बैद, को.चेयरमैन विमल जामड़ शिक्षा अध्यक्ष दीपक गुलेचा और रामसामी का सहयोग रहा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.